

टी.आई.एल. एक्सप्रेस

हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष-17

अंक-45

पृष्ठ-12

मूल्य दो रुपये

बांदा, रविवार 20 सितम्बर, 2026

RNI No.: UPHIN2008/32664

51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र, विकास के साथ बनते हैं रोजगार के नए अवसर : पीएम मोदी



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20वें रोजगार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनि्युक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। देशभर में आयोजित इस रोजगार मेले का आयोजन 45 स्थानों पर किया गया। इसके साथ ही रोजगार मेलों के जरिए नियुक्ति पत्र पाने वाले युवाओं की कुल संख्या करीब 12.75 लाख हो गई है। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर नवनि्युक्त युवाओं और उनके परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन हजारों परिवारों के जीवन में नई खुशी

अंतरराष्ट्रीय कानून के गैर-भेदभावपूर्ण कार्यान्वयन की आवश्यकता

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों को बिना किसी भेदभाव के लागू करने का आह्वान करते हुए वैश्विक समुदाय से सैन्यवाद और हस्तक्षेप की नीति को त्यागकर सतत विकास, राष्ट्रीय संप्रभुता के सम्मान और स्थायी शांति की दिशा में आगे बढ़ने की अपील की है। शनिवार को कॉलिंग फॉर ए ग्लोबल यू-टर्न - रीसेंट्रिंग डेवलपमेंट, रिकलेमिंग ह्यूमैनिटी, रिस्टोरिंग जस्टिस इन ए क्रेजियर वर्ल्ड शीर्षक से आयोजित एक वैश्विक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अराघची ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में दुनिया को प्वास्तविक, प्रभावी और निष्पक्ष बहुपक्षवाद की पहले से कहीं अधिक है।

लेकर आया है। उन्होंने कहा कि युवाओं की सफलता के पीछे उनकी मेहनत के साथ-साथ माता-पिता और परिवार के सदस्यों का योगदान भी महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि युवाओं के लिए नए अवसर तभी बनते हैं, जब देश की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ती है, निवेश बढ़ता है, नए उद्योग स्थापित होते हैं और नए सेक्टर विकसित होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज तेजी से विकास करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। प्रधानमंत्री के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की विकास दर 7.8 प्रतिशत रही, जबकि निवेश में करीब 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा में पिछले वर्षों में किए गए सुधारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय युवाओं के टैलेंट और स्किल्स ने दुनिया का भरोसा जीता है। दुनिया को भारत के

रायपुर पावर एंड स्टील के 2 डायरेक्टर गिरफ्तार

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र से करीब 250 टन लौह स्क्रेप चोरी के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने चोरी का स्क्रेप खरीदकर खपाने के आरोप में रायपुर पावर एंड स्टील लिमिटेड रसमड़ा के मैनेजिंग डायरेक्टर विनोद कुमार गर्ग एवं डायरेक्टर संदीप कुमार सिंह को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। थाना पुरानी भिलाई क्षेत्र अंतर्गत 26 मई को पुलिस ने अकलोरडीह खदान पारा स्थित एके ट्रेडर्स से भारी मात्रा में लौह स्क्रेप बरामद किया था। यह लौह स्क्रेप भिलाई इस्पात संयंत्र से चोरी किया गया था। पुलिस के मुताबिक ट्रांसपोर्टर आरोपित संजय सिंह बीएसपी से चोरी किए गए लौह स्क्रेप को अकलोरडीह स्थित उक्त गोदाम में डंप करता था।

इनोवेटर्स, उद्यमियों और युवा शक्ति से बड़ी उम्मीदें हैं।

उन्होंने हाल में संपन्न ब्रिक्स सम्मेलन का जिक्र करते हुए कहा कि भारत का प्रयास है कि सहयोग केवल सरकारों तक सीमित न रहे, बल्कि उद्यमी, किसान, महिलाएं और युवा भी इस साझेदारी के सक्रिय भागीदार बनें। भारत ने बीते वर्षों में करीब 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं और प्रधानमंत्री के अनुसार ये समझौते युवाओं के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि नवनि्युक्त युवा ऐसे समय में भारत सरकार से जुड़े हैं, जब देश 2047 तक विकसित भारत बनाने के बड़े लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

उन्होंने नवनि्युक्त कर्मचारियों से युवाओं की आकांक्षाओं को समझने और अपनी जिम्मेदारियों को पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाने की अपील की। पीएम ने कहा कि सरकारी सेवा में रहते हुए लिए गए निर्णय विकसित और आत्मनिर्भर भारत के अभियान को मजबूत करने वाले होने चाहिए।

देवलगढ़ मार्ग पर खाई में लटकी कार, बाल-बाल बचे सवार

पौड़ी। उत्तराखंड में पौड़ी जिले के स्वीत गांव से आगे देवलगढ़ की ओर जाने वाली सड़क पर कल देर रात एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में लटक गयी। गनीमत रही कि कार खाई के किनारे पर अटक गई और उसमें सवार लोगों की जान बच गई। हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और क्रेन की मदद से कार को बाहर निकालने का प्रयास किया। स्वीत गांव के विपिन रावत ने बताया कि क्षेत्र में देर रात तक युवाओं के आने और सड़क किनारे शराब का सेवन करने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं।

सीएम मान ने कर्मचारियों की महंगाई भत्ते में 8 फीसदी बढ़ोतरी की

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब सरकार ने राज्य के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में 8 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह फैसला मुख्यमंत्री भगवंत मान की कर्मचारी संगठनों के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया। इस बढ़ोतरी के साथ, पंजाब के कर्मचारियों को अब कुल 50 फीसदी महंगाई भत्ता मिलेगा।

बढ़े हुए महंगाई भत्ते का भुगतान दो किस्तों में किया जाएगा। प्रत्येक किस्त में 4-4 फीसदी की वृद्धि शामिल होगी। यह बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता कर्मचारियों को इसी महीने के वेतन के साथ मिलेगा। सरकार और कर्मचारी संगठनों के बीच महंगाई भत्ते के मुद्दे पर सहमति बन गई है। यह बैठक चंडीगढ़



में आयोजित की गई थी। मुख्यमंत्री मान ने कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करने का आश्वासन दिया था। इस फैसले से राज्य के लाखों कर्मचारियों को सीधा लाभ होगा। सरकार ने कर्मचारियों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

वित्त रहित विद्यालय-महाविद्यालयों के शिक्षकों-कर्मियों के लिए 461 करोड़ रुपये का अनुदान जारी

पटना, एजेंसी। बिहार के वित्त रहित विद्यालयों और महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शिक्षकों और कर्मचारियों के भुगतान के लिए अनुदानित विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए कुल 461 करोड़ रुपये का सहायक अनुदान जारी करने की घोषणा की है। ख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि इस राशि का उपयोग संबंधित शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों एवं साक्षर गैर-शैक्षणिक कर्मियों के भुगतान के लिए किया जाएगा। अनुदान जारी होने से लंबे समय से भुगतान की उम्मीद लगाए बैठे शिक्षक और कर्मचारी लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा



कि सरकार शिक्षकों, कर्मचारियों और शिक्षण संस्थानों के हित में लगातार काम कर रही है। शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ शिक्षकों और कर्मियों की समस्याओं के समाधान पर भी सरकार का जोर है।

10.641 किलो गांजा बरामद

शिवहर, एजेंसी। बिहार में शिवहर जिले के नगर थाना क्षेत्र के जाफरपुर गांव में पुलिस ने छापेमारी कर 10.641 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। साइबर पुलिस उपाधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रभारी इशानी सिन्हा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि जाफरपुर निवासी प्रमोद गिरी का पुत्र शिवम कुमार अवैध रूप से गांजा का क्रय-विक्रय कर रहा है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया।



गणेश महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम



रंगोली प्रतियोगिता में बालिकाओं ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

राहुल सेन, ६ नीराम वर्मा, नीरज त्रिपाठी व रजोला त्रिपाठी ने कुर्सी दौड़ कराई। प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर

हिस्सा लिया। शाम को अनुपमा त्रिपाठी एंड पार्टी के कलाकारों ने गीत, संगीत व नृत्य की प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम में अनुपमा त्रिपाठी, ज्योत्सना पुरवार, प्रमोदनी अवस्थी, निखिल सक्सेना, सत्यनारायण श्रीवास, राजाबाबू साहू व विजय ओमर समेत बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे। संचालन संरक्षक अशोक त्रिपाठी जीतू ने किया।

उधर, वहीं बबेरू के मां मढ़ी दाई मंदिर, अदभुत शिव मंदिर, आम चौराहा और औगासी रोड सहित कई स्थानों पर गणेश प्रतिमा स्थापित की गई हैं। प्रतिमाओं की आरती के लिए मंदिरों और पूजा स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है।

आबकारी टीम पर हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

टी0आई0एल0 संवाददाता चित्रकूट। कच्ची शराब पकड़ने गई आबकारी टीम पर लाठी व रॉड से हमला करने वाले दो आरोपियों जानकी निषाद और सुक्खू को कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। 13 आरोपी अभी भागे हुए हैं। इनमें 10 की पहचान नहीं हो पाई है।

मामला 14 सितंबर की शाम का है। आबकारी निरीक्षक प्रणव कुमार पांडेय की टीम डिलौरा के गढ़ीवा तिराहे पर छापा मारी करने गई थी। आरोप है कि डिलौरा निवासी विजय निषाद, पुरुषोत्तम उर्फ राजा, लोहसरिहन निवासी जानकी निषाद, सुक्खू निषाद, देशराज और 10 अन्य लोगों ने

टीम को घेरकर लाठी-डंडे व लोहे की रॉड से हमला कर दिया था।

हमले में आबकारी सिपाही सागर के सिर में गंभीर चोट आई थी जबकि शिवसागर, लालचंद्र और दीपक घायल हो गए थे। आबकारी निरीक्षक की तहरीर पर पुलिस ने सेवन सीएलए एक्ट सहित बीएनएस की गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया था।

कोतवाल अभयराज सिंह ने बताया कि लोहसरिहन निवासी जानकी निषाद और सुक्खू निषाद को डिलौरा गांव के पास से पकड़ा गया है। तीन नामजद समेत 13 अज्ञात हमलावर भागे हुए हैं। 10 अज्ञातों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

एक माह से लापता दो सगी बहनें हाईवे किनारे मिलीं

टी0आई0एल0 संवाददाता कालपी। कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले से करीब एक माह पहले लापता हुई दो नाबालिग सगी बहनों को पुलिस ने बुधवार को जोल्हूपुर मोड़ के पास से खोज लिया। दोनों किशोरियां हाईवे किनारे खड़ी होकर किसी वाहन का इंतजार कर रही थीं।

किशोरियों के लापता होने के मामले में परिजनों की तहरीर पर दो युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। कोतवाली प्रभारी

निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी और महमूदपुरा चौकी प्रभारी दिलीप कुमार मिश्रा ने पुलिस टीम के साथ संभावित स्थानों पर तलाश की। बुधवार को मुखबिर से सूचना मिली कि दोनों किशोरियां जोल्हूपुर मोड़ के पास हाईवे किनारे मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों को खोज लिया। पुलिस ने उनके चिकित्सकीय परीक्षण और न्यायालय में बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

नाला चोक, बदबूदार पानी, रोडवेज बस स्टैंड की कहानी

टी0आई0एल0 संवाददाता बांदा। बस स्टैंड के प्रवेश और निकास द्वार पर चोक नालों के कारण गंदगी और जलभराव की समस्या बनी हुई है। चित्रकूट, फतेहपुर और महोबा जाने वाली बसों के लिए यात्रियों को जिस हिस्से से होकर गुजरना पड़ता है, वहां नाले का गंदा और बदबूदार पानी भरा रहता है। बस स्टैंड के अंदर प्रवेश करते ही कई जगह जलभराव और गंदगी नजर आती है। जल निकासी के लिए बनाई गई नालियां कई स्थानों पर टूटकर बंद हो चुकी हैं। पानी की निकासी नहीं होने से बारिश का पानी परिसर में ही जमा रहता है।

यात्रियों के बैठने वाले स्थानों के आसपास भी यही स्थिति है। कचरे को समय से नहीं हटाए जाने से गंदगी बनी रहती है। बसों का इंतजार करने वाले यात्रियों को जलभराव और कचरे के बीच बैठना पड़ता है।

सबसे खराब स्थिति यात्रियों के लिए लगाए गए वाटर कूलर के आसपास है। वाटर कूलर में लगी टोटी के नीचे ही गंदगी जमा है। वहीं यूरिनल की सफाई ठीक से नहीं होने के कारण वह



गंदगी से भरा रहता है।

इससे यूरिनल से उठने वाली दुर्गंध भी पानी की टंकी तक पहुंचती है। रक्षाबंधन के दौरान बसों में यात्रियों की संख्या बढ़ने के बावजूद बस स्टैंड की सफाई व्यवस्था में कोई खास सुधार नहीं हुआ। रोडवेज बस स्टैंड से परिवहन निगम की रोजाना 158 बसें संचालित होती हैं। इन बसों से प्रतिदिन करीब छह से सात हजार यात्री सफर करते हैं। नियमित मासिक टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या भी 700 से 1000 के बीच है।

निगम के अधिकारियों का कहना है कि बस स्टैंड पर दो सफाई कर्मचारी लगाए गए हैं। वह नियमित सफाई करते हैं। इसके बावजूद परिसर के अंदर

और बाहर कई स्थानों पर गंदगी और जलभराव नजर आ रहा है। वहीं, बस स्टैंड के बाहर भी स्थिति बेहतर नहीं है। प्रवेश और निकास गेट के दोनों ओर गंदगी फैली है। बरसात के कारण यहां कीचड़ बन गया है। इसी स्थान पर फल की दुकानें लगती हैं। दुकानों से निकलने वाला कचरा भी आसपास ही फेंक दिया जाता है।

सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक देशराज ने बताया कि निगम के पास सफाई कर्मचारी हैं और नियमित सफाई कराई जा रही है। बाहर बने यूरिनल की स्थिति खराब है, उसकी सफाई की व्यवस्था कराई जाएगी। गेट के पास जलभराव और गंदगी दूर करने के लिए निगम की ओर से मुख्यालय को प्रस्ताव भेजा गया है।

बारिश थमते ही कराएं मरम्मत, अतिक्रमण हटाने की भी तैयारी

टी0आई0एल0 संवाददाता हमीरपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के परियोजना निदेशक पंकज यादव ने कानपुर के रमईपुर से महोबा के कबरई तक नेशनल हाईवे-34 का निरीक्षण किया। बारिश से क्षतिग्रस्त हाईवे का जायजा लेने के बाद उन्होंने मातहत अधिकारियों को बारिश थमते ही मरम्मत कार्य शुरू कराने के कहा। साथ ही हाईवे किनारे से अतिक्रमण भी हटवाया जाएगा।

एनएचएआई के परियोजना निदेशक ने नेशनल हाईवे का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों की टीम ने कस्बे के अंदर पैदल भ्रमण कर हाईवे की जमीन की नापजोख भी की। टीम



ने हाईवे की भूमि पर हुए अतिक्रमण को चिह्नित कर उसे हटाने की रूपरेखा तैयार की है। बता दें कि नेशनल हाईवे-34 कस्बे के बीच से होकर गुजरता है। बस स्टैंड से पशु बाजार चौराहे तक हाईवे के दोनों ओर अतिक्रमण के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। एनएचएआई की ओर से

हाईवे की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर चौड़ाई बढ़ाने की कार्यवाही की जाती है तो कस्बे में जाम की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है। नापजोख पूरी करने के बाद टीम कानपुर लौट गई।

परियोजना निदेशक ने बताया कि लगातार हुई बारिश के कारण हाईवे कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है और जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि बारिश रुकते ही क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत तेजी से कराई जाए ताकि यातायात सुगम हो सके। साथ ही अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शुरू कराने के संकेत दिए हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म में दोषी को उम्रकैद

टी0आई0एल0 संवाददाता उरई। चार साल पहले अनुसूचित जाति की 16 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर मंदिर ले जाने, प्रसाद में नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश करने और दिल्ली ले जाकर दुष्कर्म करने के मामले में अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया है। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट राजीव सिंह ने अबरार को दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 53 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। कोंच

कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी किशोरी के पिता ने सात दिसंबर 2022 को पुलिस को तहरीर दी थी। इसमें बताया था कि उनकी 16 वर्षीय बेटी 16 जनवरी 2022 को घर से बिना बताए चली गई थी। आरोप था कि मोहल्ला भगत सिंह नगर निवासी अबरार उसे बहला-फुसलाकर ले गया है। परिजनों के अनुसार आरोपी की ६ मकी के कारण उन्होंने पहले शिकायत नहीं की थी। सात दिसंबर को किशोरी ने फोन कर

पिता को बताया कि उसकी जान को खतरा है और आरोपी उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है। इसके बाद पिता ने कोतवाली में शिकायत की। पुलिस ने अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कर सर्विलांस की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर किशोरी को खोज लिया। न्यायालय में दर्ज बयान में किशोरी ने बताया कि 26 जनवरी 2022 को अबरार उसे मंदिर ले गया था। वहां लड्डू में नशीला पदार्थ मिलाकर खिलाने के बाद वह बेहोश हो गई।



INDIA'S LEADING ADVERTISING AGENCY

Call us: 0522-4010 844 | 7985907267 | 8318924761

Website: dolbyinfotainment.com | Email: dolbyinfotainment@gmail.com

रैली निकालकर बच्चों ने शुरू की स्वच्छता की मुहिम



के अलग-अलग निस्तारण की स्थिति देखी। बाल पंचायत के जरिए गांव का स्वच्छता ऑडिट तैयार किया जा रहा है। बच्चे खाभियां चिह्नित कर ग्रामीणों को सुधार के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

शिक्षक ने बताया कि गांव के बच्चों की मुहिम पर परिजन भी अभियान का हिस्सा बनकर सुधार कर रहे हैं। इसके साथ ही बच्चे माता-पिता और बड़ों को तंबाकू से दूर रहने के लिए टोक रहे हैं। अमित तिवारी ने बताया कि स्वच्छता को आदत बनाने के लिए बच्चों को अभियान का नेतृत्व सौंपा गया है। रैली में देवेन्द्र त्रिपाठी, संतोषी देवी, कृपा शंकर, पूनम देवी, सुदेवी, राधा देवी सहित अन्य शिक्षक रहे।

मौसमी बीमारियों ने अस्पताल में बढ़ाई मरीजों की भीड़



लगी रही। महिला चिकित्सक की ओपीडी के बाहर भी सुबह 11 बजे तक मरीज कतार में खड़े रहे। पैथोलॉजी में जांच कराने के लिए भी मरीजों को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा।

अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार बुखार के 520, सर्दी-जुकाम के 176, पेट दर्द के 98, खांसी के 97, डिहाइड्रेशन के 76 और दस्त के 46 मरीजों का उपचार किया गया। अन्य बीमारियों के मरीज भी पहुंचे। कुल 1274 मरीज आने के कारण ओपीडी निर्धारित समय से करीब आधा घंटा अतिरिक्त चली।

गौरीगंज निवासी प्रशांत व जय कुमार ने बताया कि वे सुबह से कमरा नंबर तीन के बाहर खड़े थे, लेकिन दोपहर तक उनका नंबर नहीं आया। मरीजों की अधिक संख्या के कारण उन्हें इंतजार करना पड़ा।

टी0आई0एल0 संवाददाता अमेटी। उमस भरी गर्मी के बीच जिला अस्पताल में मौसमी बीमारियों के मरीजों की भीड़ रही। दोपहर 12.20 बजे परचा काउंटर, ओपीडी व पैथोलॉजी के बाहर मरीज कतार में खड़े रहे। फिजिशियन के कक्षों के बाहर सबसे अधिक भीड़ नजर आई। कई अभिभावक बीमार बच्चों को गोद में लिए अपनी बारी का इंतजार करते दिखे।

डॉ. शुभम पांडेय और डॉ. अमित यादव के कक्षों के बाहर लंबी लाइन

कब्रिस्तान पर चला बुलडोजर, अवैध रूप से बना था निर्माण, मेट्रो कार्य में था बाधा, पुलिस बल रहा तैनात

टी0आई0एल0 संवाददाता

कानपुर। मेट्रो निर्माण कार्य में रोड़ा बने अवैध निर्माणों और जमीनों पर अवैध कब्जों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। बर्बाद थाना क्षेत्र अंतर्गत बर्बा-छह इलाके में मेट्रो ट्रैक निर्माण कार्य में लंबे समय से बाधा बने एक अवैध कब्रिस्तान पर बाबा का बुलडोजर गरज उठा।

भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में अवैध ढांचे को पूरी तरह जमींदोज कर सरकारी जमीन को खाली कराया गया। जानकारी के अनुसार, बर्बा-छह स्थित सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बनाए गए इस कब्रिस्तान के कारण कानपुर मेट्रो का निर्माण

अंकित को पटकनी देकर काली पहलवान ने जीते 51 हजार

टी0आई0एल0 संवाददाता

फतेहपुर। क्षेत्र के न्योरी जलालपुर में आयोजित दंगल में शाम तक जनरेटर की रोशनी में पहलवानों के बीच मुकाबले होते रहे। शामली के काली पहलवान ने किसी भी पहलवान से कुश्ती लड़ने की चुनौती दी, जिसे दिल्ली के अंकित ने स्वीकार कर हाथ मिला लिया।

15 मिनट चले मुकाबले में दोनों ने कई दांवपेच लगाए। अंत में काली पहलवान ने अंकित को पटकनी देकर जीत हासिल की। अंतिम कुश्ती देखने के लिए देर शाम तक दर्शकों की भीड़ जुटी रही।

भूटान के चिमचिम डोगरा ने मध्यप्रदेश के सोमवीर को हराया। इसके बाद उन्होंने गोरखपुर के मुन्ना पहलवान को दौड़ाकर चित किया। मोनू दिल्ली, शंकर थापा, अन्नू फतेहपुर, अकरम बाराबंकी और तूफान मध्यप्रदेश के बीच मुकाबले भी रोमांचक रहे।



कार्य पिछले काफी समय से प्रभावित हो रहा था।

मेट्रो प्रशासन द्वारा कई बार आला अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई थी। मामले का संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने नियमानुसार भूमि को

खाली कराने की रूपरेखा तैयार की और भारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार के विरोध या शांति-व्यवस्था भंग होने की आशंका को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात था।

पांच रेलवे क्रॉसिंगों पर बनेंगे अंडरपास, सर्वे पूरा

टी0आई0एल0 संवाददाता

रायबरेली। प्रयागराज रेल मार्ग पर रायबरेली जिले के दरियापुर स्टेशन और प्रतापगढ़ जिले के कुंडा हरनामगंज स्टेशनों के बीच पांच रेलवे क्रॉसिंगों पर लिमिटेड हाइट सबवे (अंडरपास) बनाए जाएंगे। इसके लिए प्रारंभिक प्रक्रिया शुरू हो गई है। रेलवे ने चार सदस्यीय टीम बनाई है।

टीम ने पांचों रेलवे क्रॉसिंगों का सर्वे कार्य भी पूरा कर लिया है। इसकी संयुक्त निरीक्षण आख्या उच्चाधिकारियों को भेजी गई है। सर्वे के आधार पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर अंडरपास बनाने की कार्ययोजना तैयार होगी। बजट स्वीकृति मिलने के बाद अंडरपास बनाने का काम शुरू किया जाएगा। इससे आसपास बसे ग्रामीण इलाकों के लोगों को आवागमन में होने

वाली परेशानी दूर होगी। दरियापुर-लक्ष्मणपुर स्टेशनों के बीच बेलाभेला के निकट क्रॉसिंग संख्या-17सी, लक्ष्मणपुर-ऊंचाहार स्टेशनों के बीच नवाबगंज के निकट क्रॉसिंग संख्या-15सी, अरखा-परियावां स्टेशनों के बीच क्रॉसिंग संख्या-36सी, परियावां-गढ़ी मानिकपुर स्टेशनों के बीच क्रॉसिंग संख्या-31सी और गढ़ी मानिकपुर-कुंडा हरनामगंज स्टेशनों के बीच क्रॉसिंग संख्या-28सी पर अंडरपास बनाने की योजना पर काम शुरू किया गया है। इन क्रॉसिंग पर सर्वे के लिए चार सदस्यीय टीम बनाई गई है। इसमें रेलखंड के यातायात निरीक्षक बाल मुकुंद वर्मा, वरिष्ठ खंड अभियंता (रेल पथ) इजहार कलीम, निर्माण इकाई से नीरज कुमार और कर्षण वितरण (टीआरडी) से हिमांशु को शामिल किया गया है।

चाबी, स्वीकृति पत्र और सहायक उपकरण मिलने पर दिव्यांगजन की आंखों में दिखी चमक

टी0आई0एल0 संवाददाता

हरदोई। दिव्यांग सीमा देवी, विमला, रामवती, संतराम और अवधेश कुमार को आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री आवास की चाबी सौंपी। कहा कि डबल इंजन की सरकार अंतिम पायदान तक पात्रों को लाभान्वित किए जाने के लिए संकल्पित है।

सेवा संकल्प अभियान के पहले दिन बृहस्पतिवार को श्रीशचंद्र बरात घर में मुख्य कार्यक्रम में आबकारी मंत्री ने दिव्यांग बाबूराम, मो. वहीद, अमर सिंह, सुदामा, फिरोज, गुड्डी, ललित कुमार वर्मा, रुक्मिन, सुभाष, सुखलाल, रक्षपाल, कैलाश, राहुल, रंजन और रोशन लाल को मुख्यमंत्री आवास योजना में स्वीकृत पत्र सौंपे। स्वीकृति पत्र मिलते ही इन दिव्यांगों की आंखों में अपने घर



का सपना पूरा होने की चमक दिखाई दी। प्रधानमंत्री के 25 साल की जनसेवा पर संकल्प कार्यक्रम में इसी के साथ 50 दिव्यांगजन को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल और अन्य सहायक उपकरण, उद्योग विभाग के 10 लाभार्थियों को टूलकिट, दिव्यांगजन पेंशन योजना में 10 नवीन लाभार्थियों को स्वीकृति, 10 दिव्यांगजन को यूडीआईडी, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना पांच लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, पांच लाभार्थियों को अंत्योदय अन्न योजना के राशनकार्ड प्रदान किए।

Call: 0522-6537101, 9839919728

e-mail: info@tvindialive.com

tvindialive.til@gmail.com

web: www.tvindialive.in

www.tvindialive.com

www.tilexpress.in



TILEXPRESS

WEEKLY HINDI NEWSPAPER

Contact for: News Bureau,
News Reporter & Marketing Agency

Off: Sector C-1, C-25, LDA Colony, Kanpur Road, Lucknow. 226012 (U.P.)

सम्पादकीय

अनिश्चितता से घिरा मुस्लिम जगत

विश्व राजनीति में एकाएक रोचक मोड़ आ गया है। अमेरिका द्वारा ईरान में सत्ता परिवर्तन की कोशिश विफल रहने, पश्चिमी एशिया में अमेरिका के मित्र देशों पर ईरान द्वारा लगातार चोट करने, उसी दौरान मक्का समझौते द्वारा तुर्किये, पाकिस्तान और सऊदी अरब का इस्लामी नाटोश जैसा मोर्चा बनाने, फिर यमन में हूती विद्रोहियों का हाथ ऊपर हो जाने और समुद्र में एक महत्वपूर्ण तेल मार्ग पर कब्जा कर लेने, हूतियों द्वारा सऊदी अरब पर ड्रोन हमले के खतरे और इस पर अमेरिका का निर्विकार हो जाना, जबकि सऊदी अरब के साथ उसकी रक्षा संधि है—ये सभी घटनाएं महत्वपूर्ण हैं। कई तो अप्रत्याशित भी। इन सबका कुछ सप्ताहों में इकट्ठे घट जाना विश्व राजनीति में एक नए मोड़ का संकेत है। अमेरिका ने पश्चिमी एशिया में अपनी सैनिक रणनीतिक नीति एकाएक बदल ली। वहां के मामलों में अपना सक्रिय सैनिक हस्तक्षेप छोड़ या रोक दिया है। इससे वहां तमाम मुस्लिम देशों के बीच संबंध अनिश्चित जैसे हो गए हैं। इसका रोचक प्रमाण स्वयं सऊदी अरब की स्थिति है। इस्लाम का केंद्र होने के कारण तरह-तरह के उग्र इस्लामी तत्व उस पर कब्जे या प्रभाव की चाह रखते रहे हैं, पर लंबे समय से उसकी सत्ता अमेरिकी समर्थन से सुरक्षित रही है, पर अब वह अपर्याप्त लग रहा है। हूतियों द्वारा सऊदी अरब पर चोट पर अमेरिकी प्रशासन न केवल शांत है, बल्कि हूतियों से वार्ता करना चाह रहा है। इस्लामी नाटोश बनने के बावजूद सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों द्वारा चोट कराना क्या दर्शाता है? यही कि पूरे मुस्लिम जगत में अनिश्चितता आ गई है। सऊदी अरब के बाद दूसरे सबसे महत्वपूर्ण मुस्लिम देश ईरान की स्थिति एक तरफ मजबूत तो दूसरी ओर कमजोर भी हुई है। उसकी सैनिक-रणनीतिक हैसियत पहले से बढ़ी लगती है, क्योंकि उसने अमेरिकी सैन्य प्रहार झेलकर अपना शासन बचाए रखने में सफलता पाई। साथ ही होर्मुज तेल मार्ग पर अपना नियंत्रण पहले से अधिक बढ़ा लिया है, किंतु उसकी अंदरूनी स्थिति बहुत खराब हुई है। हमास की ताकत में भारी गिरावट है, जो अब तक ईरान का अधोषित हाथ जैसा रहा है। इजरायल ने हमास को काफी कुछ ध्वस्त कर दिया है। यह स्थायी भी हो सकता है।

इसलिए भी, क्योंकि कई मुस्लिम देश भी हमास को नापसंद करते हैं। इस तरह इजरायल की स्थिति पहले से सुधरी है, जबकि उस देश को मिटा देना ईरानी शासक घोषित लक्ष्य रखते हैं। आने वाले दिनों में इजरायल की स्थिति और मजबूत होने की संभावना है, क्योंकि सऊदी अरब अपनी रक्षा के लिए उसका साथ लेना चाहता है। तकनीकी, आर्थिक और सामरिक, तीनों क्षेत्रों में उसकी ताकत काफी कुछ अपने बल पर है। जिस इजरायल को दो दशक पहले आसपास के तमाम मुस्लिम देशों से घेरावित खतरा रहता रहा, वह आज अनेक शत्रुओं से मुक्त जैसी स्थिति में है। वस्तुतः ईरान के अलावा इजरायल पर हमले करने की चाह रखने वाला शायद ही कोई मुस्लिम देश है। इसका अर्थ यह भी है कि अरब देशों की इस्लामी एकता और अंतरराष्ट्रीय दबदबे की पिछली राजनीति नष्टप्राय हो चुकी है। हालिया वर्षों में ईरान के अलावा कोई भी मुस्लिम देश इजरायल के खात्मे की बात करने वाला नहीं रह गया है।

पश्चिमी एशिया में अभी अमेरिकी उदासीनता झलकने के बाद से वहां रणनीतिक खालीपन जैसा आया है। उसे भरने न तो चीन, न रूस, न नाटो आता दिखाई दे रहा है। तब ईरान वहां अकेले कोई दबदबा बनाए, इसे आसपास के सभी मुस्लिम देश नामंजूर करेंगे। ईरान की बढ़त जितनी दिख रही है, उतनी बनी रहना भी संदिग्ध है। इसके कारण बाह्य और अंदरूनी, दोनों हैं। ईरान की सत्ता जगजाहिर रूप से इस्लामी तानाशाही है। उसके विरुद्ध अंदरूनी असंतोष व्यापक है, जिसे कठोर दमन से ही नियंत्रित रखा गया है। संपूर्ण मुस्लिम जगत में तुर्किये और ईरान में ही सबसे अधिक आधुनिक मानसिकता के मुस्लिम हैं, जो इस्लाम को बीती बात समझते हैं। फलतः ईरान की इस्लामी सत्ता देश के अंदर कठोरता रखने से ही बची रही है। अभी तक अमेरिका को खत्म कर देने और अमेरिका-विरोध के नाम पर ही वह देश में अपना वैचारिक दबाव या नैतिक वैधता बनाए रही है, किंतु यह एक बनावटी, दुर्बल आधार है।

ईरान के प्रबुद्ध वर्ग में यह प्रश्न दिनों-दिन बढ़ेगा कि गत चार दशकों में ईरानी सत्ता द्वारा अमेरिका को मौतश की जिद से ईरान को क्या मिला? ईरान ने केवल आस-पास के अमेरिकी अड्डों और उसके मित्र देशों को हानि पहुंचाई। अमेरिकी शक्ति केवल सैनिक नहीं, आर्थिक, तकनीकी, बौद्धिक, सांस्कृतिक भी है। इन सभी क्षेत्रों में ईरान पीछे है। प्राकृतिक तेल के एक सबसे बड़े भंडार के सिवा ईरान की रणनीतिक शक्ति बाहरी दुनिया के लिए नगण्य अर्थ रखती है। तब ऐसी बेमेल और अनावश्यक दुश्मनी ईरान की इस्लामी सत्ता ने क्यों ठान रखी है? पश्चिम एशिया में अमेरिका द्वारा सैन्य उदासीनता से उस क्षेत्र में शक्ति-संतुलन किसी के पक्ष में जाने के बदले अनिश्चित बने रहने की दिशा है।

राहत कैम्प में मौत पर सुप्रीम चिंता

अशोक त्रिपाठी

सुख और दुख जीवन के अंग हैं लेकिन दुर्व्यवस्था के चलते अगर कष्ट होता है अथवा बड़ी हानि होती है तो इस पर चिंतित होना स्वाभाविक है। पूर्वोत्तर भारत के राज्य मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच ऐतिहासिक तनाव है। इसके चलते कई बार हिंसक वारदातें भी हो चुकी हैं। संघर्ष इतना भीषण हो जाता है कि प्रभावित लोगों को सरकारी कैम्प में रहना पड़ता है। सरकारी कैम्प में भी अगर उनका जीवन सुरक्षित नहीं रह पाता तो यह सरकारी व्यवस्था की कमी है। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर में राहत शिविर में कई लोगों की मौत को लेकर इसीलिए चिंता जतायी और राज्य सरकार से जवाब भी मांगा है। मणिपुर का अपना दर्द है लेकिन जब कभी उन्हें यह एहसास होता है कि कोई भी अपना नहीं तो पीड़ा ज्यादा बढ़ जाती है। इसी महीने (सितम्बर 2026) में मणिपुर में रहने वाले संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की देश की राजधानी दिल्ली में बुरी तरह पिटाई कर दी गयी। कथित हमले में लगी चोटों के कारण उनकी मौत हो गयी। मणिपुर के लोगों को ऐसे कष्ट से तो बचाया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर में हिंसा के दौरान विस्थापित हुए लोगों के लिए बने राहत कैम्पों में हुई कई मौतों पर हैरानी जताई। कोर्ट ने मणिपुर के मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि वे इन मौतों की जांच, आपराधिक कार्रवाई शुरू करने और वहां रहने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दें। चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने राज्य के शीर्ष अधिकारी को चेतावनी देते हुए पूछा कि जस्टिस गीता मित्तल कमेटी द्वारा दी गई जानकारी पर कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाए गए। बेंच ने आदेश में कहा, हम मणिपुर के मुख्य सचिव को निर्देश देते हैं कि वे मणिपुर के राहत कैम्पों में हुई मौतों, खासकर असामान्य मौतों, पर एक हलफनामा दाखिल करें। साथ ही, बेंच ने यह भी पूछा कि मौत

के 34 मामलों में से केवल 20 मामलों में ही पोस्टमार्टम क्यों कराए गए। बेंच ने कहा, राज्य को यह भी बताना होगा कि राहत कैम्पों में शरण लेने वाले जिन विस्थापित लोगों की असामान्य मौतें हुई, उन्हें मुआवजे के तौर पर केवल 20 से 30 हजार रुपये ही क्यों दिए गए। कोर्ट ने मणिपुर राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण को भी इस मुद्दे पर एक अलग स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कानूनी सेवा प्राधिकरण से कहा कि वह यह सुनिश्चित करे कि असामान्य मौत के सभी मामलों में एफआईआर दर्ज की जाएं। बेंच ने प्राधिकरण से यह भी कहा कि वह देखे कि जांच तेजी से हो और राहत कैम्पों में रह रहे विस्थापित लोगों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जाए।

यह आदेश बेंच ने जस्टिस मित्तल कमेटी और एक आईपीएस अधिकारी की रिपोर्ट देखने के बाद दिया गया। इन रिपोर्टों में बताया गया था कि मणिपुर के राहत कैम्पों में 30 से ज्यादा मौतें हुई हैं और एक मौत कथित यौन उत्पीड़न के बाद हुई थी। इसके अलावा, बेंच ने उम्मीद जताई कि मणिपुर में 2023 की हिंसा से जुड़े सीबीआई और एनआईए के मामलों की सुनवाई के लिए बनाई गई दो विशेष ट्रायल कोर्ट तेजी से अपना ट्रायल पूरा करेंगी। रिपोर्टों का जिक्र करते हुए बेंच ने कहा कि मामलों की जानकारी कानूनी सेवा वकील को दे दी गई है और पीड़ित याचिकाकर्ता अपने मामलों को आगे बढ़ाने के लिए इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि ये जानकारीयां राज्य सरकार और पूर्व आईपीएस अधिकारी दत्तात्रेय पडसलगीकर ने दी थीं, जो मणिपुर हिंसा की सीबीआई जांच की निगरानी कर रहे हैं। सीबीआई और राज्य सरकार की ओर से पेश हुई एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने 31 मामलों की जांच की है और 28 मामलों में फाइनल रिपोर्ट दाखिल की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि ब्ठ के तीन मामलों की



जांच अभी भी चल रही है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर और असम सरकारों और अन्य लोगों से कहा था कि वे मणिपुर में 2023 की जातीय हिंसा से जुड़े सीबीआई और एनआईए के मामलों की विशेष रूप से सुनवाई के लिए दो विशेष ट्रायल कोर्ट बनाने पर विचार करें। मणिपुर में जातीय हिंसा 3 मई, 2023 को शुरू हुई थी।

मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च निकाला गया था, जिसके बाद यह विवाद बढ़ गया। मैतेई समुदाय मुख्य रूप से इंपाल घाटी में रहता है, जबकि कुकी और नगा समुदाय आसपास की पहाड़ियों में रहते हैं। जमीन, संसाधनों और आरक्षण को लेकर इनके बीच ऐतिहासिक तनाव रहा है। इस संघर्ष में अब तक 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हुए हैं। राज्य के कई इलाकों में समुदायों के बीच सख्त भौगोलिक विभाजन देखा गया है, जिससे लोग एक-दूसरे के इलाकों में आने-जाने से कतराते हैं। समय-समय पर सुरक्षा बलों की तैनाती और शांति के प्रयासों के बावजूद पूर्वोत्तर के इस राज्य में तनाव और छिटपुट हिंसा की घटनाएं बनी हुई हैं।

अब भी कई मैतेई और कुकी राहत शिविरों में रह रहे हैं लेकिन हिंसा से प्रभावित ऐसे भी लोग थे, जिन्हें भागकर पड़ोसी राज्य मिजोरम में शरण लेनी पड़ी थी।

अभी हाल ही में मणिपुर के रहने वाले संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की कुछ लोगों के कथित हमले में लगी चोटों के कारण 14 सितम्बर को मौत हो गई। चोंगथम दिल्ली के आश्रम इलाके में रह रहे थे।



यूपी के पूर्व मंत्री राम आसरे कुशवाहा ने छोड़ी भाजपा, सपा में हुए शामिल



टी0आई0एल0 संवाददाता
लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से राजनीति की बड़ी खबर सामने आई है। यहां पर पूर्व मंत्री राम आसरे कुशवाहा ने बीजेपी छोड़ कर सामाजवादी पार्टी में हो गए हैं। उन्होंने सपा की सदस्यता ले ली। राम आसरे कुशवाहा उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रह चुके हैं। 13 साल बाद उन्होंने फिर से सामाजवादी पार्टी ज्वाइन कर ली है। उन्होंने राजनीतिक सफर की शुरुआत 1990 में कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप शुरू किया था। बाद में वह बहुजन समाज पार्टी (ठैक) में

शामिल हुए और 1996 में सरसौल विधानसभा सीट से विधायक चुने गए। कल्याण सिंह सरकार में 1997 में उन्हें अनुसूचित जातिधजनजाति कल्याण विभाग का मंत्री बनाया गया था। इसके बाद वह भारतीय जनता पार्टी में रहे और राम प्रकाश गुप्ता के मुख्यमंत्री कार्यकाल में भी मंत्री पद पर रहे।

बाद में उन्होंने भाजपा छोड़ी और 2009 में समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। सपा ने उन्हें राष्ट्रीय महासचिव बनाया और कुशवाहा समाज को पार्टी से जोड़ने की जिम्मेदारी भी दी। 2012 में अखिलेश यादव सरकार के दौरान उन्हें रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर, लखनऊ का अध्यक्ष बनाया गया और कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिला। 2013 में सपा ने उन्हें राष्ट्रीय महासचिव पद से हटा दिया और बाद में मंत्री पद का दर्जा भी वापस ले लिया।

वर्क फ्रॉम होम वाले अखिलेश अब 20 करोड़ की गाड़ी से करेंगे राजनीति : ओपी राजभर

टी0आई0एल0 संवाददाता
लखनऊ। सुभासपा अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा सियासी हमला बोला है। राजभर ने अखिलेश यादव की कथित 20 करोड़ रुपये की लग्जरी गाड़ी को लेकर तंज कसते हुए इसे उनकी 'वर्क फ्रॉम होम' राजनीति से जोड़ दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश गरीब, दलित और अति पिछड़े लोगों के बीच जाने से बचते हैं और इसी कारण ऐसी गाड़ी का सहारा लिया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर राजभर ने लिखा, "अखिलेश जी, 'वर्क फ्रॉम होम' कैसा चल रहा है? एसी में बैठकर पीसी वाला वर्क फ्रॉम होम।" इसके बाद उन्होंने दावा किया कि अखिलेश यादव ने 20 करोड़ रुपये की 'हॉलीवुड टाइप' भगवा रंग की गाड़ी

मंगाई है। राजभर ने कटाक्ष किया कि चुनाव में घर से बाहर निकलना पड़े तो भी अखिलेश को गाड़ी के भीतर घर जैसा एहसास मिलता रहे।

राजभर ने कहा कि अखिलेश को गरीबों के बीच जाने में डर लगता है कि कहीं जनता उनकी 'पोल' न खोल दे। दलित और अति पिछड़ों को लेकर भी उन्होंने अखिलेश पर सीधा हमला किया। राजभर ने तंज किया कि शायद डर है कि कोई दलित या अति पिछड़ा हाथ मिला ले तो सैनिटाइजर इस्तेमाल करना पड़े, इसलिए बख्तरबंद गाड़ी, लिफ्ट और रूफटॉप का इंतजाम किया



गया है।

राजभर ने कहा कि जनता अखिलेश यादव को भी देख रही है, उनकी राजनीति और कार्यकर्ताओं को भी। उनका 'वर्क फ्रॉम होम' और जनता के बीच जाने का डर भी लोगों की नजर में है। इसका जवाब समय आने पर जनता ही देगी।

Lucknow's the most popular social networking news, views & entertainment blog

www.facebook.com/tillucknowexpress

By:TVINDIALIVE.COM



यूपी में अगले 6 महीने में 1 लाख युवाओं को मिलेगी सरकारी नौकरी, सीएम योगी का ऐलान



टी0आई0एल0 संवाददाता
लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगले छह महीने में राज्य में एक लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने यहां उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (उप्रपीएससी) और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (उप्रएसएससी) द्वारा विभिन्न विभागों के पदों पर चयनित 818 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पूरी पारदर्शिता के साथ साढ़े नौ वर्षों में साढ़े नौ लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं।

उन्होंने अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पिछली समाजवादी पार्टी सरकार (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा, "2017 से पहले जिन लोगों ने नियुक्ति पत्रों के वितरण में गड़बड़ी की थी, उनसे कहना चाहता हूँ कि नोट कर लें, आज से फिर नियुक्ति पत्र वितरित

कर रहे हैं और अगले छह महीने के अंदर एक लाख से अधिक युवाओं को उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी देंगे।

वे (विपक्ष) गिनती करें, हम (नौकरी) देते जाएंगे।" मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले राज्य की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा, "उस समय उत्तर प्रदेश के बारे में लोगों की धारणा क्या थी, हर दूसरे दिन दंगा होता था, महीनों-महीनों तक कर्फ्यू रहता था और कोई भी व्यक्ति सुरक्षित नहीं था।" उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन सरकार ने भर्ती बोर्डों और आयोगों में अपने रिश्तेदारों को बैठाकर पूरी प्रक्रिया को बदनाम कर दिया था। योगी ने कहा, "तब एक भी भर्ती ईमानदारी से नहीं होती थी।

युवा पलायन करता था। उसके सामने एक ओर कुआं था और दूसरी ओर खाई, क्योंकि उत्तर प्रदेश में नौकरी नहीं थी और राज्य के बाहर उसके सामने पहचान का संकट था।" मुख्यमंत्री

ने मिशन रोजगार के तहत चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि नियुक्ति की पूरी प्रक्रिया समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरी की गई।

उन्होंने कहा कि भर्ती बोर्ड और आयोग अब सरकार की राजनीति का शिकार नहीं होते हैं तथा रीक्षाओं की प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से पूरी होती है, जिसके परिणाम अब दिखाई दे रहे हैं। आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर मिश्र 'दयालु', संसदीय कार्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने भी समारोह को संबोधित किया।

मेहनत का कोई विकल्प नहीं, सपनों को पूरा करने के लिए लगातार करें प्रयास : आनंदीबेन पटेल

टी0आई0एल0 संवाददाता
लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दिल्ली के कैलाश नगर स्थित राजकीय सर्वोदय बाल विद्यालय के विद्यार्थियों से कहा कि अपने सपनों को पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करें, क्योंकि मेहनत का कोई विकल्प नहीं है।

राज्यपाल से विद्यालय के 20 विद्यार्थियों, प्रधानाचार्य, शिक्षकों और पूर्व छात्रों ने मुलाकात की। विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री और राज्यपाल की हाथ से बनाई पेंटिंग भेंट की।

विद्यालय के पूर्व छात्र सत्येंद्र



त्रिपाठी के सहयोग से आयोजित यह भ्रमण विद्यार्थियों की पहली हवाई यात्रा भी थी। राज्यपाल ने बच्चों से पढ़ाई, रुचियों, शौक और भविष्य के लक्ष्य के बारे में बात की तथा यात्रा के अनुभव सुने।

प्रेम विवाह से नाराज पूर्व पति ने की पत्नी की हत्या, वारदात में बेटा भी शामिल

टी0आई0एल0 संवाददाता
लखनऊ। लोक लाज और प्रेम विवाह को लेकर नाराज पूर्व पति ने पत्नी की हत्या कर दी। आरोपित ने पत्नी को बहाने से बुलाकर बांके से कई वार किए। हत्या के बाद शव को नहर की पटरी पर फेंककर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपित पति और हत्या में शामिल उसके बेटे को गिरफ्तार कर लिया है।

इंस्पेक्टर सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि भुलई खेड़ा निवासी प्रेमा देवी का विवाह सेमरामऊ निवासी राजू यादव से हुआ था। प्रेमा ने तीन वर्ष के प्रेम प्रसंग के बाद सात माह पूर्व गोहरामऊ निवासी मजदूर प्रदीप यादव से प्रेम विवाह किया था।

इसके बाद से पूर्व पति राजू और उसका बेटा प्रेमा से रंजित रखने लगे थे। प्रेमा अपने बेटे से फोन पर बात करती रहती

थी, जिससे सामाजिक प्रतिष्ठा को लेकर राजू और उसके बेटे ने हत्या की साजिश रची। रात लगभग नौ बजे बेटे ने प्रेमा को नहर के किनारे बुलाया, जहां राजू पहले से बांका लेकर छिपा हुआ था।

प्रेमा के आते ही राजू और उसके बेटे ने उसे जमीन पर गिरा दिया और राजू ने बांके से प्रेमा के गले पर ताबड़तोड़ वार कर उसे मार डाला।

अशोक त्रिपाठी

उत्तराखण्ड देवभूमि है, तपोभूमि है और स्वास्थ्यबर्द्धक भूमि भी है। हरियाली और प्रकृति की खूब सूरती देखने भी कितने लोग यहां आते हैं और स्वास्थ्य लाभ करते हैं। चारधाम के दर्शन, हेमकुंड साहिब और फूलों की घाटी का अलग-अलग आकर्षण है। इन पवित्र और खूबसूरत स्थलों पर भी तीर्थ यात्रियों और पर्यटकों ने कचरे का ढेर लगा दिया है। यह सच है कि इंसान के लिए भोजन और पानी मूल आवश्यकताएं हैं लेकिन इनके लिए थोड़ी सावधानी बरत कर स्वच्छता को भी बरकरार रखा जा सकता है। उत्तराखण्ड में पर्यावरण विकास समिति (ईडीसी) ने कचरे का जो आंकड़ा दिया है, उसने पर्यावरण की दृष्टि से चिंता उत्पन्न कर दी है। पहाड़ की शुद्ध हवा के लिए यह कचरा घातक साबित हो सकता है। चारधाम में भी सैकड़ों टन कचरा जमा हो चुका है। इसलिए धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से आने वालों को यह सोचना पड़ेगा कि उत्तराखण्ड को वह कचरे का ढेर न बनाएं।

पर्यावरण विकास समिति भ्यूंडर, चमोली, उत्तराखंड द्वारा साल 2026 की यात्रा अवधि में लोकपाल, हेमकुंड साहिब और फूलों की घाटी यात्रा मार्ग से 10 सितंबर 2026 तक 22,300 बैग प्लास्टिक बोतल एवं अन्य प्लास्टिक सामग्री और 4,000 बैग अन्य प्लास्टिक रैपर, रेनकोट आदि इकट्ठा किया गया



है कुल मिलकर 26300 बैग प्लास्टिक बोतल एवं अन्य प्लास्टिक सामग्री, प्लास्टिक रैपर, रेनकोट आदि इकट्ठे किए गए हैं। इतनी बड़ी तादाद में टनों कूड़ा कचरा इकट्ठा होने से उच्च हिमालय क्षेत्र का पूरा इकोसिस्टम प्रदूषित हो रहा है। इतनी बड़ी तादात में अगर कूड़ा कचरा वहां पहुंच रहा है तो आप मान सकते हैं कि किस तरीके से ग्लोबल वार्मिंग जलवायु परिवर्तन के यह मुख्य कारक साबित हो रहे हैं। उच्च हिमालय क्षेत्र में ग्रीन यात्रा का नारा दिया गया है जो सिर्फ एक नारा ही बनकर रह गया है। पर्यावरणविद् और प्रोफेसर एसपी

सती ने बताया कि फूलों की घाटी जैसी हेरिटेज जगह भी खतरे में आ गई है, क्योंकि वहां पर हजारों बैग प्लास्टिक की बोतल प्लास्टिक की रैपर, पॉलिथीन, मिल रहे हैं। इस कारण फूलों की घाटी वाले क्षेत्र में पॉल्यूशन के चलते कई फूलों की प्रजाति खतरे में आ सकती है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि चारधाम यात्रा, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी समेत उत्तराखंड के कितने ही पर्यटक स्थल देश-दुनिया के श्रद्धालुओं और सैलानियों से गुलजार रहते हैं। हर साल चारधाम यात्रा में भक्तों की भीड़ बढ़ती जा रही है। सरकार

सती ने मीडिया से बताया कि इतनी बड़ी मात्रा में कूड़ा-कचरा जमा होना बहुत चिंता का विषय है क्योंकि इसमें प्लास्टिक की मात्रा ज्यादा है। प्लास्टिक हजारों साल तक गलता नहीं है। इसके छोटे-छोटे कण पानी को प्रदूषित कर रहे हैं। इसके अलावा जमीन में रहकर यह भूमिगत जल की मात्रा को भी कम कर रहे हैं। क्योंकि पानी जमीन के अंदर जाने के बजाय बह जा रहा है, जिससे उच्च हिमालय क्षेत्र में सॉइल एरोजन तेजी से हो रहा

के साथ-साथ यात्रा मार्ग में कारोबार करने वाले लोग इस बढ़ती भीड़ से खुश हैं लेकिन लोगों की इस बेशुमार भीड़ के साथ-साथ गंदगी का जो अंबार पहाड़ों पर लग रहा है, वह पर्यावरण के लिए गंभीर चिंता पैदा कर रहा है। लाखों श्रद्धालुओं, पर्यटकों के द्वारा छोड़े गए कूड़ा-कचरा से प्रकृति का संतुलन बिगड़ सकता है। पहाड़ों पर आए लोगों द्वारा छोड़े गए कचरे में भारी मात्रा में प्लास्टिक की पानी की बोतलें हैं जो सालों बाद भी गलती नहीं।

मालूम हो कि चारधाम के साथ-साथ हेमकुंड साहिब और फूलों की घाटी उच्च हिमालय क्षेत्र में मौजूद है। लगभग 3000 मीटर से ऊपर के क्षेत्र में भी इन जगहों से प्लास्टिक के कचरे भारी मात्रा में जमा किए जा रहे हैं। हर साल उत्तराखंड सरकार और पर्यटन विभाग श्रद्धालुओं और पर्यटकों को उत्तराखंड आने का न्योता देती हैं। साथ ही एक गाइडलाइन भी जारी करती है, जिसमें आने वाले श्रद्धालु और पर्यटकों के लिए उच्च हिमालय क्षेत्र में कूड़ा न फैलाने की अपील की जाती है। इस अपील का असर अभी तक होता नजर नहीं आ रहा है। नतीजा हिमालय के बड़े-बड़े घास के मैदान (बुग्याल) के साथ-साथ उच्च हिमालय क्षेत्र में भी यत्र-तत्र, सर्वत्र कूड़ा कचरा फैला नजर आता है।

बात आंकड़ों की करें तो चार धाम यात्रा में अब तक 792 टन कूड़ा-कचरा जमा किया गया है। इस साल चार धाम यात्रा 19 अप्रैल से शुरू हुई थी। मतलब बीते करीब 150 दिन में 792 टन के करीब कूड़ा-कचरा। रोज के हिसाब से देखें करीब 5 टन। हालांकि शुरुआत के 40 दिन ज्यादा कूड़ा जमा हुआ क्योंकि उस समय भक्तों की भीड़ ज्यादा थी। बाद में मौसम बिगड़ने के बाद जब तीर्थयात्रियों की संख्या घटी तो कूड़ा जमा होना भी कम हुआ। वहीं इस आंकड़े में अगर हेमकुंड साहिब से और फूलों की घाटी से इकट्ठा हुआ कूड़ा कचरा के आंकड़े जोड़े तो यह आंकड़ा 800 टन से भी अधिक हो जाता है।

इसी तरह केदारनाथ में अबतक 283 टन कूड़ा इकट्ठा हुए, जिसमें 5.5 टन कॉम्पैक्ट प्लास्टिक वेस्ट रिसाइक्लिंग के लिए भेजा जा चुका है। केदारनाथ धाम से गौरीकुंड तक सफाई के लिए कुल 412 पर्यावरण मित्र एवं 30 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। वहीं बदरीनाथ धाम से कुल 363.3 टन कूड़ा इकट्ठा हुए है जिसमें अगस्त तक 335.9 टन कूड़ा कचरा इकट्ठा किया गया है तो वहीं सितंबर में अब तक 30.4 टन कूड़ा कचरा इकट्ठा किया जा चुका है। इसी तरह गंगोत्री धाम में 98 टन कूड़ा इकट्ठा हुआ है जिसमें ड्राई वेस्ट 45.05 टन और ड्राई वेस्ट 53.75 टन इकट्ठा किया गया। यमुनोत्री धाम में 48.2 क्विंटल कूड़ा इकट्ठा हुआ।

भारत में शिक्षा का अधिकार कानून की धारा 17 स्कूलों में बच्चों को किसी भी तरह के शारीरिक दंड या मानसिक उत्पीड़न से पूरी तरह सुरक्षित रखती है। स्कूलों में शिक्षकों द्वारा बच्चों की पिटाई और शारीरिक दंड एक गंभीर और गैर-कानूनी समस्या है, जिस पर विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसी वैश्विक संस्थाएं भी चिंता जता चुकी हैं। हाल ही में ऐसी की घटनाएं सामने आई हैं जिनमें शिक्षकों की अमानवीयता और निर्दयता भरी पिटाई के कारण मासूम बच्चों की मौत हो गई अथवा वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम के लिटिल गार्डन स्कूल में 20 अगस्त 2026 को होमवर्क पूरा न करने पर एक 6 साल के छात्र प्रणय तेजा की टीचर की कथित पिटाई और थप्पड़ मारने के बाद क्लासरूम में गिरकर मौत हो गई। दरअसल बच्चे ने होमवर्क पूरा नहीं किया था, जिसके बाद टीचर ने उसे डांटा और थप्पड़ मारा। क्लासरूम में लगे सीसीटीवी फुटेज में सामने आया कि थप्पड़ मारने और प्रताड़ित करने के कुछ ही पलों बाद बच्चा बेहोश होकर गिर पड़ा। बच्चे को तुरंत किंग जॉर्ज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार का आरोप है कि डर और दहशत की वजह से उसे हार्ट अटैक आया।

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम

स्कूली बच्चों को शारीरिक दण्ड



का इस घटना से सम्बद्ध वीडियो पूरे देश में वायरल हुआ, जिसमें एक प्राइवेट स्कूल की शिक्षिका बच्चे को डांटती और थप्पड़ मारती नजर आ रही थी। उसके बाद बच्चे को कटे पेड़ की तरह गिरते देखा गया। बताते हैं कि होमवर्क पूरा न करने पर टीचर ने एलकेजी के छह वर्षीय छात्र प्रणय तेजा को पहले बुरी तरह डांटा और फिर उसे जोर से थप्पड़ मारा, जो उसे एक शॉक की तरह लगा। सीसीटीवी कैमरे की पुलिस द्वारा हासिल रिकॉर्डिंग में बच्चे की पिटाई और जमीन पर गिरने का दृश्य स्पष्ट दिखाई दे रहा था। बच्चे को अस्पताल ले जाया गया जहां बताया गया कि उसकी मृत्यु हो चुकी है।

इस घटना के बाद व्यापक

विरोध प्रदर्शन भी हुए। अभिभावकों का आरोप है कि बच्चा घर से स्वस्थ स्थिति में स्कूल के लिए निकला था। उसे कोई रोग भी नहीं था। बाकायदा उसने स्कूल जाने की खुद जिद की। उसके पिता के अनुसार उनका परिवार एक तीर्थयात्रा पर गया था, जिसकी वजह से वह होमवर्क नहीं कर सका। इसके बाद टीचर के खिलाफ कार्रवाई और निजी स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा बढ़ाने और संवेदनशील व्यवहार की मांग तेज हुई। वहीं दूसरी ओर स्कूल प्रशासन ने दलील दी कि खेल के मैदान में गिरने की वजह से बच्चे की जान गई। बताया जाता है कि स्कूल में कोई खेल का मैदान था ही नहीं। पूरी दुनिया में ऐसे तमाम अध्ययन व शोध निष्कर्ष सामने आ चुके हैं कि स्कूली बच्चों

का किसी भी तरह शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न नहीं किया जाना चाहिए। यह न केवल शिक्षकों का शैक्षिक दायित्व है बल्कि वे इसके लिये कानूनी रूप से भी बाध्य हैं लेकिन विडंबना यह है कि शिक्षकों ने जाने क्यों मान लिया है कि किसी छात्र की गलती को दंडित या प्रताड़ित करके ही सुधारा जा सकता है। कहीं न कहीं यह शिक्षकों में धैर्य व तार्किक सोच की कमी को भी दर्शाता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी पिछले दिनों ऐसी ही घटना सामने आई। वहां विनोद नगर में एक सरकारी स्कूल की ग्यारह साल की छात्रा की सजा दिए जाने के बाद मौत हो गई। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि वह क्लास में किताब लाना भूल गई। शिक्षिका ने उसे क्लास के पीछे हाथ ऊपर करके खड़े होने की सजा दी। कक्षा में इस तरह काफी देर तक खड़े रहने और अपमान से आहत होने के बाद उसकी तबीयत खराब हो गई। उसे इलाज के लिये अस्पताल ले जाया गया लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई।

मौजपुर जाफराबाद दिल्ली में एक प्ले स्कूल में 3 साल के मासूम बच्चे को एप्रन की डोरी से 3 घंटे तक कुर्सी से बांधकर बेरहमी से पीटा गया, थप्पड़ मारे गए और कान खींचे गए, जिससे बच्चे के

कान के पर्दे सूज गए।

अमरौहा में हाल ही में दसवीं कक्षा के एक छात्र को स्कूल यूनिफॉर्म न पहनने और बेंच न उठाने पर शिक्षक ने डंडे से बेरहमी से पीटा इसी तरह की अन्य घटना में फरीदाबाद के एक स्कूल में मामूली बात पर छात्रा को चार घंटे खड़े होने की सजा दी गई। घटना से आहत व अपमानित महसूस करके छात्रा ने स्कूल की छत से कूदकर जान दे दी। जालौन उत्तर प्रदेश में तीसरी कक्षा के 8 वर्षीय बच्चे को शिक्षक ने बेरहमी से पीटने के बाद दो घंटे तक बाथरूम में बंद रखा। मध्यप्रदेश संस्कार पब्लिक स्कूल में मामूली कहासुनी के बाद प्रिंसिपल ने 8वीं कक्षा के छात्र को लात-घूंसे से पीटा और जमीन पर लिटाकर बेरहमी से प्रताड़ित किया। विचारणीय प्रश्न है कि प्रशिक्षित शिक्षक इस बात को समझने का प्रयास क्यों नहीं करते कि उन्हें छात्रों के साथ संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। वे क्यों नहीं समझते कि क्लास में सबके सामने दंडित किए जाने से बच्चे के कोमल मन-मस्तिष्क पर कैसा नकारात्मक असर पड़ेगा। शीर्ष अदालत ने सभी स्कूलों के शिक्षकों के लिए इस बाबत सभी दिशा-निर्देश स्पष्ट रूप से दे रखे हैं, लेकिन इसके बावजूद अप्रिय हो रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कई शिक्षक इन कानूनी व नैतिक मापदंडों को ताक पर रखकर बच्चों को प्रताड़ित करते हैं।

किम के परमाणु परीक्षणों से आए 1399 भूकम्प



सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के परमाणु परीक्षणों को लेकर एक नई वैज्ञानिक रिपोर्ट ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। स्टडी के अनुसार माउंट मंताप क्षेत्र में 2008 से 2025 के बीच 1,399 भूकंप दर्ज किए गए, जिनका संबंध वहां किए गए भूमिगत परमाणु विस्फोटों से हो सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि 2017 के सबसे बड़े परमाणु परीक्षण के बाद भूकंपीय गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वैज्ञानिकों के मुताबिक विस्फोट के कारण पहाड़ के भीतर मौजूद

पुरानी दरारें सक्रिय हो गईं और चट्टानों में बने नए फ्रैक्चर तथा पानी के दबाव की वजह से छोटे-छोटे भूकंप लगातार आते रहे।

अध्ययन के अनुसार वैज्ञानिकों ने 2008 से 2025 के बीच के भूकंपीय आंकड़ों का विश्लेषण किया। इस दौरान माउंट मंताप के आसपास 1,399 भूकंप दर्ज किए गए। यह वही पर्वतीय क्षेत्र है जहां उत्तर कोरिया ने 2006 से 2017 के बीच छह भूमिगत परमाणु परीक्षण किए थे। शोधकर्ताओं का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर भूकंपीय गतिविधियों का सामना आना असामान्य है। शोध के अनुसार माउंट मंताप और उसके आसपास का क्षेत्र पिछले लगभग दो हजार वर्षों से काफी शांत माना जाता था। वैज्ञानिकों ने बताया कि चीन और कोरिया के ऐतिहासिक रिकॉर्ड में इस इलाके में भूकंप की घटनाएं बेहद कम मिलती हैं। इसी वजह से परमाणु परीक्षणों के बाद बढ़ी गतिविधियों ने शोधकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया।

विद्यार्थियों को मोबाइल का कम प्रयोग और पढ़ाई का दिया मंत्र

शिमला, एजेंसी। राजकीय

उच्च विद्यालय पधेची और राजकीय प्राथमिक पाठशाला भरांडी का सहायक आयुक्त राजस्व एवं तहसीलदार जुन्ना कार्तिकेय शर्मा ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालयों में चल रही शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया और कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को मोबाइल फोन का कम प्रयोग और पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देने का मंत्र दिया। साथ ही विद्यार्थियों से पढ़ाई, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं तथा रुचि के बारे में पूछा की। उन्होंने बच्चों से उनकी पाठ्यक्रम संबंधी तैयारियों के साथ खेल एवं अन्य गतिविधियों में भाग लेने के लिए कहा। विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए उन्होंने उन्हें नियमित रूप से पढ़ाई करने, अनुशासन बनाए रखने और विद्यालय की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करते हुए नशे से पूरी तरह दूर रहने की सलाह दी।

स्पेस फोर्स के बाद अब एआई फोर्स की तैयारी : ट्रंप



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह एआई फोर्स बनाने की तैयारी कर रहे हैं और जल्द ही एक एआई सीजरर की नियुक्ति की घोषणा करेंगे। ट्रंप ने कहा कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र को खत्म या नष्ट होने देने के लिए चुपचाप नहीं बैठेंगे।

ट्रंप ने अपने ट्विथ सोशल अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका इस महत्वपूर्ण उद्योग के विकास को किसी भी तरह बाधित या रोकने का काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा, हम किसी भी तरह इस अविश्वसनीय उद्योग के विकास में बाधा नहीं डालेंगे या उसे दबाएंगे नहीं। इसके बजाय, हम इसे महत्व देंगे, इसकी मदद करेंगे और इसके बढ़ने के साथ इस पर नजर रखेंगे। हालांकि, हम बुरे कामों पर भी नजर रखेंगे और मौजूदा आपराधिक और दीवानी न्याय व्यवस्था के जरिये ऐसा आसानी से कर सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने 2019 में

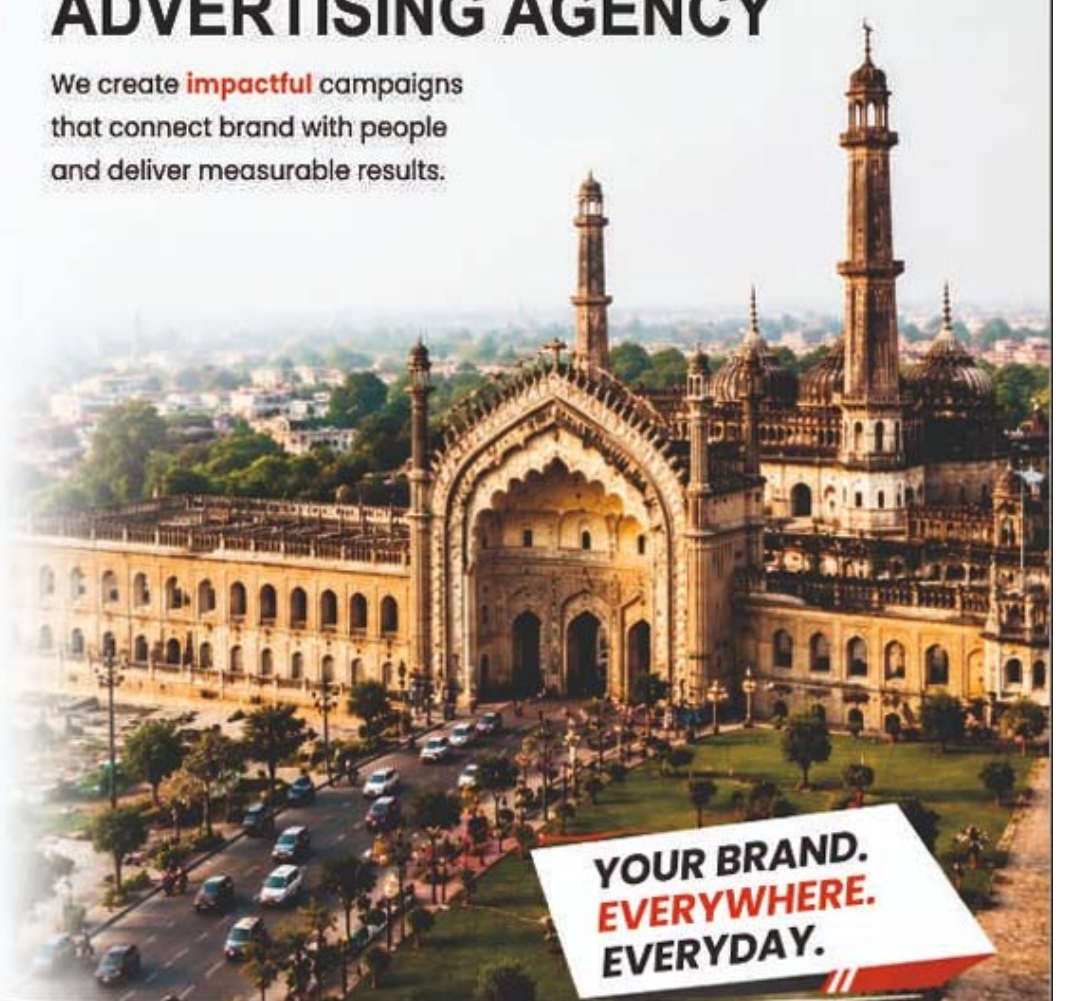
अमेरिकी दबदबे को अंतरिक्ष में बढ़ाने के लिए स्पेस फोर्स का गठन किया था। वहीं, हाल ही में अमेरिका ने पहली बार स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि उसके पास अंतरिक्ष की कक्षा में तैनात ऐसे हथियार हैं, जिनका इस्तेमाल शत्रु की कार्रवाई का मुकाबला करने के साथ-साथ आक्रामक और रक्षात्मक दोनों अभियानों में किया जा सकता है। यह खुलासा ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका, चीन और रूस के बीच अंतरिक्ष में सैन्य वर्चस्व की होड़ तेज हो रही है।



Where brands become legends

INDIA'S LEADING ADVERTISING AGENCY

We create **impactful** campaigns that connect brand with people and deliver measurable results.



- TV & Radio Advertising
- Outdoor Advertising
- Cricket Advertising
- Multiplex Advertising
- Social Media Advertising
- Transit Media Advertising

PRINT | TV | RADIO | DIGITAL | OUTDOOR | EVENTS | ACTIVATIONS | BRANDING



Call us:
0522-4010 844
7985907267 | 8318924761



Website:
dolbyinfotainment.com



Email:
dolbyinfotainment@gmail.com

सऊदी अरब को नई ताकत देंगे एफ-35



वीपी राहुल

अमेरिका ने सऊदी अरब को अत्याधुनिक एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने की डील को मंजूरी दे दी है। गत 17 सितंबर को अमेरिकी विदेश विभाग ने करीब 24.3 अरब डॉलर की इस संभावित बिक्री को आगे बढ़ाने की अनुमति दी। प्रस्ताव के तहत सऊदी अरब को 48 एफ-35 लाइटनिंग-2 लड़ाकू विमान, 49 ग्रेट एंड व्हिटनी इंजन, संचार उपकरण, स्पेयर पार्ट्स और अन्य सैन्य सहायता उपलब्ध कराई जानी है।

हालांकि, यह सौदा अभी अंतिम नहीं हुआ है और इसे अमेरिकी कांग्रेस की समीक्षा से गुजरना होगा। यह फैसला ऐसे समय आया है जब मध्य पूर्व में सैन्य तनाव लगातार बढ़ रहा है और सऊदी अरब यमन के हूती विद्रोहियों के साथ संघर्ष में अमेरिका से ज्यादा सुरक्षा सहयोग चाहता है। अमेरिकी प्रशासन ने कहा है कि इस बिक्री का उद्देश्य सऊदी अरब की रक्षा क्षमता मजबूत करना और अमेरिकी तथा सहयोगी सेनाओं के साथ उसकी सैन्य समन्वय क्षमता बढ़ाना है।

एफ-35 को दुनिया के सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में गिना जाता है। इसकी खासियत केवल इसकी गति या हथियार ले जाने की क्षमता नहीं है, बल्कि इसकी स्टील्थ तकनीक, सेंसर, डेटा शेयरिंग और आधुनिक युद्धक्षेत्र में सूचना एकत्र करने की क्षमता भी है। यही वजह है कि किसी देश को एफ-35 की बिक्री सिर्फ एक सामान्य हथियार सौदे के तौर पर नहीं देखी जाती।

सऊदी अरब लंबे समय से इस विमान को खरीदने की इच्छा रखता रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी 2025 में संकेत दिया था कि उनका प्रशासन सऊदी अरब को एफ-35 बेचने के लिए तैयार है। अब अमेरिकी विदेश विभाग की मंजूरी के बाद यह प्रस्ताव औपचारिक प्रक्रिया में आगे बढ़ गया है। अगर कांग्रेस की समीक्षा के बाद सौदा आगे बढ़ता है तो सऊदी अरब एफ-35 का इस्तेमाल करने वाला पहला अरब देश बन सकता है। फिलहाल मध्य पूर्व में इजरायल ही एफ-35 का संचालन करने वाला देश है।

एफ-35 सौदे का समय भी

महत्वपूर्ण है। सऊदी अरब इस समय यमन के हूती विद्रोहियों के साथ बढ़ते सैन्य संघर्ष का सामना कर रहा है। हूती संगठन ईरान के साथ अपने संबंधों के लिए जाना जाता है और हाल के दिनों में उसने सऊदी ठिकानों तथा क्षेत्र में अन्य लक्ष्यों पर हमले तेज किए हैं। अल जजीरा के अनुसार, हूतियों ने 16 सितंबर को दावा किया कि उन्होंने मारिब के ऊपर सऊदी अरब के एक एफ-15 लड़ाकू विमान को मार गिराया। संगठन ने इसके समर्थन में एक वीडियो भी जारी किया, जिसमें जलते हुए मलबे को दिखाया गया। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

यदि एफ-35 सौदा पूरा होता है तो सऊदी वायुसेना को मौजूदा विमानों की तुलना में अत्याधुनिक स्टील्थ और सेंसर तकनीक हासिल होगी। अमेरिकी विदेश विभाग का कहना है कि इससे सऊदी अरब वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने तथा अमेरिकी और अन्य सहयोगी सेनाओं के साथ काम करने में ज्यादा सक्षम होगा। इस पूरे सौदे का सबसे संवेदनशील पहलू इजरायल से जुड़ा है। अमेरिका की लंबे समय से नीति रही है कि मध्य पूर्व में इजरायल की क्वालिटेटिव मिलिट्री एज, यानी संभावित क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में उसकी तकनीकी और सैन्य बढ़त बनी रहनी चाहिए।

एफ-35 जैसी तकनीक सऊदी अरब को देने से यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इससे क्षेत्रीय सैन्य संतुलन पर क्या प्रभाव पड़ेगा। अमेरिकी विदेश विभाग ने अपने नोटिस में कहा है कि प्रस्तावित बिक्री से क्षेत्र में सैन्य संतुलन नहीं बदलेगा। इजरायल पहले से ही मध्य पूर्व का एकमात्र देश है जिसके पास एफ-35 हैं। सऊदी अरब को यही विमान मिलने से क्षेत्र में आधुनिक हवाई युद्ध की क्षमता का वितरण बदल सकता है। हालांकि अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि बिक्री के बावजूद इजरायल की सैन्य बढ़त बरकरार रहेगा। चीन को लेकर अमेरिका में चिंता इस सौदे को लेकर अमेरिका के भीतर एक और बड़ा सवाल चीन से जुड़ा है।

सऊदी अरब पिछले वर्षों में चीन के साथ अपने आर्थिक और सैन्य संबंध भी बढ़ा चुका है। ऐसे में अमेरिकी खुफिया और सुरक्षा अधिकारियों के बीच यह चिंता व्यक्त की गई है कि एफ-35 से जुड़ी संवेदनशील तकनीक चीन तक पहुंचने का जोखिम पैदा हो सकता है। अल जजीरा ने बताया कि अमेरिकी अधिकारियों ने संभावित चीनी जासूसी और तकनीकी जानकारी तक पहुंच को लेकर चिंता जताई है। अमेरिकी कांग्रेस के डेमोक्रेटिक सांसद राजा

कृष्णमूर्ति, जो हाउस इंटेलिजेंस कमेटी के सदस्य हैं, ने भी इस आधार पर प्रस्तावित बिक्री का विरोध किया है। यह चिंता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि एफ-35 केवल एक लड़ाकू विमान नहीं है। इसमें अत्याधुनिक सेंसर, संचार और युद्धक्षेत्र से जुड़ी तकनीक शामिल है। इसलिए इसके संचालन से जुड़े बुनियादी ढांचे और रखरखाव व्यवस्था की सुरक्षा भी अमेरिका के लिए अहम मानी जाती है।

सऊदी अरब की सुरक्षा रणनीति में भी पिछले कुछ समय में बदलाव देखने को मिला है। अल जजीरा के मुताबिक, सऊदी अरब ने पिछले महीने पाकिस्तान और तुर्किये के साथ एक पारस्परिक रक्षा समझौता किया, जिसे मक्का समझौते के नाम से जाना गया। यह संकेत देता है कि रियाद अपनी सुरक्षा जरूरतों के लिए केवल वॉशिंगटन पर निर्भर रहने के बजाय दूसरे देशों के साथ भी सुरक्षा संबंध मजबूत कर रहा है। हालांकि अमेरिका अभी भी सऊदी अरब का सबसे महत्वपूर्ण सैन्य साझेदार बना हुआ है। रॉयटर्स के अनुसार, सऊदी अरब लंबे समय से अमेरिकी हथियारों का बड़ा खरीदार रहा है और एफ-35 सौदा दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और गहरा कर सकता है।

अमेरिकी विदेश विभाग की मंजूरी का अर्थ यह नहीं है कि एफ-35 विमान तुरंत सऊदी अरब पहुंच जाएंगे। अमेरिकी कानून के तहत हथियार सौदों की प्रक्रिया में कांग्रेस की समीक्षा महत्वपूर्ण चरण है। कांग्रेस के पास प्रस्ताव की समीक्षा और उस पर आपत्ति दर्ज कराने का अवसर होगा। इसके बाद ही सौदा अंतिम रूप ले सकता है। इसके अलावा, यदि सौदा मंजूर भी हो जाता है तो विमानों की डिलीवरी तत्काल शुरू नहीं होगी। एफ-35 जैसे अत्याधुनिक विमानों के निर्माण, प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचे और तकनीकी सहायता की तैयारी में कई वर्ष लग सकते हैं। एफ-35 सौदे को केवल सैन्य खरीद के नजरिए से देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह अमेरिका और सऊदी अरब के व्यापक रणनीतिक संबंधों का भी हिस्सा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने सऊदी अरब के साथ रक्षा, निवेश और आर्थिक सहयोग को प्राथमिकता दी है।

सऊदी अरब भी अपनी विजन 2030 योजना के तहत अर्थव्यवस्था और सैन्य क्षमता को आधुनिक बनाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में एफ-35 जैसे हथियार उसकी व्यापक सैन्य आधुनिकीकरण नीति का हिस्सा बन सकते हैं। फिलहाल इतना स्पष्ट है कि 24.3 अरब डॉलर का एफ-35 प्रस्ताव अमेरिका और सऊदी अरब के रक्षा संबंधों में एक महत्वपूर्ण कदम है।



HEER & HARRY

◆ UNISEX SALON ◆
where beauty meets luxury...

 **3RD FLOOR**

◆ OUR SERVICES ◆



HAIR SERVICES



SKIN TREATMENTS



NAIL & PEDICURE



MEN'S GROOMING



BRIDAL PACKAGES

BOOK YOUR APPOINTMENT



9120313232

क्यों कहते हैं, गणेश जी को महोदर और गजानन तोरई खाने के एक नहीं कई हैं फायदे, डायबिटीज करे कंट्रोल, पेट साफ करने के लिए भी रामबाण



आदि देव गणेश की महिमा और एकदन्तावतार के महात्म्य के बारे में पहले आपको बताया था। आज हम गणेश जी को महोदर और गजानन क्यों कहा जाता है इस सम्बन्ध में एक कहानी सुनायेंगे और उनका स्तुति मंत्र और उसका अर्थ भी बतायेंगे। महोदर भगवान का स्तुति मंत्र है—

महोदर इति ख्यातो ज्ञानब्रह्मप्रकाशकः।

मोहासुरस्य शत्रुवै आखुवाहनगः स्मृतः॥

अर्थात् भगवान श्री गणेश का महोदर नाम ब्रह्म ज्ञान के प्रकाशन यानि फैलाने वाले देवता के रूप में प्रसिद्ध है। उन्हें मोहासुर अर्थात् मोह नामक दुर्गुण का विनाशक भी माना जाता है। इनका वाहन मूषक बताया गया है।

दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य के एक शिष्य का नाम मोहासुर था। उनके आदेश से मोहासुर ने सूर्य भगवान की आराधना की। उसकी कठोर तपस्या से सूर्य भगवान प्रसन्न हो गये और उन्होंने सर्वत्र विजयी होने का वरदान दिया।

भगवान से वर प्राप्त करने के बाद मोहासुर खुश होकर अपने स्थान पर लौट गया। शुक्राचार्य ने उसका दैत्यराज के पद पर अभिषेक किया। उसके बाद अपने असीमित पराक्रम से उसने तीनों लोकों पर अधिकार कर लिया। देवता और ऋषि मुनि पहाड़ों एवं जंगलों में छुप गये। अब वह निश्चिन्त होकर अपनी पत्नी मदिरा के साथ सुखपूर्वक रहने लगा।

उसके तीनों लोकों पर अधिपत्य के कारण धर्म सत्कर्म, यज्ञ, तप आदि सब नष्ट हो गये। देवता और ऋषि, मुनि दुःखी होकर सूर्य भगवान के पास गये और इस भयानक कष्ट का उपाय पूछा। तब भगवान सूर्य ने एकाक्षर मन्त्र देकर भगवान गणेश को प्रसन्न करने की सलाह दी। तत्पश्चात् देवताओं और मुनियों ने श्रद्धापूर्वक भगवान महोदर की उपासना की। उनकी आराधना और तपस्या से संतुष्ट होकर भगवान महोदर प्रकट हुए और उन्हें आश्चर्य किया कि वे मोहासुर का वध करेंगे। महोदर भगवान ने देवताओं को निश्चिन्त रहने के लिए कहा। देवताओं को समझाकर महोदर भगवान मोहासुर से युद्ध करने के लिये चल पड़े। अब यह सूचना देवर्षि नारद ने मोहासुर को दी तथा अनन्त पराक्रमी समर्थ महोदर के स्वरूप की ताकत को भी उसे समझाया। दैत्यगुरु शुक्राचार्य ने भी मोहासुर को महोदर भगवान की शरण में जाने के लिए कहा। भगवान विष्णु ने भी भगवान महोदर का

दूत बनकर मोहासुर को समझाया, 'कि तुम्हें अनन्त शक्ति सम्पन्न भगवान महोदर से मित्रता कर लेनी चाहिए। इसी में तुम्हारा कल्याण है। तुम देवताओं और ऋषि मुनियों को शान्ति से जीवन यापन करने दो तो प्रभु तुम्हें क्षमा कर देंगे और यदि तुम रणभूमि में उनके समक्ष युद्ध करोगे तो तुम्हारी रक्षा असम्भव है। यह सुनते ही मोहासुर का अहंकार नष्ट हो गया। उसने भगवान विष्णु से निवेदन किया कि आप परम प्रभु भगवान महोदर को मेरे नगर में लेकर आइये और मुझे उनके दर्शन का अवसर प्रदान करें।

उसके निवेदन से भगवान महोदर ने स्वीकार किया और वे मोहासुर के नगर में गये जहां मोहासुर ने उसका अभूतपूर्व स्वागत किया। उनकी श्रद्धापूर्वक स्तुति करते हुये उसने कहा, 'हे प्रभु अज्ञानवश मेरे द्वारा जो अपराध हुआ है उसके लिये मैं क्षमा मांगता हूँ। मैं आपके प्रत्येक आदेश का पालन करने का वचन देता हूँ। अब मैं देवताओं और मुनियों के पास भूलकर भी नहीं जाऊँगा उनके धर्माचरण में किसी प्रकार की बाधा नहीं पहुँचाऊँगा।

भगवान महोदर उसकी श्रद्धा-भक्ति और विनम्रता पर प्रसन्न हो गये और उन्होंने उसे अपनी शरण में ले लिया देवताओं और ऋषि-मुनियों का जीवन शान्त होकर आराम से चलने लगा वे सुखी हो गये। देवतागण भगवान महोदर की स्तुति करने लगे।

गजानन क्यों कहते कहते हैं गणेश जी को

हमने आपको महोदर भगवान का स्तुति मंत्र और उनकी कहानी आपको सुनाई है। अब हम आपको गणेश जी के गजानन स्वरूप का स्तुति मंत्र और उससे सम्बन्धित कहानी आपको सुनायेंगे। गजानन भगवान का स्तुति मंत्र है—

गजाननः स विज्ञेयः सांख्येभ्यः सिद्धिदायकः।

लोभासुरप्रहर्ता वै आखुगश्च प्रकीर्तितः॥

अर्थात् भगवान श्री गणेश जी का गजानन नामक अवतार सांख्यब्रह्म का धारक है, गजानन को सिद्धिदायक भगवान के रूप में जाना जाता है। इन्हें लोभासुर का संहारक तथा मूषक के वाहन पर चलने वाला कहा गया है। एक बार की बात है कि देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर कैलाश पर्वत पर पहुँचे। वहाँ उन्होंने भगवान शिव-पार्वती का दर्शन किया। कुबेर भगवती उमा के अनुपम सौंदर्य को देखकर मुग्ध हो गए और एकटक उनको निहारने लगे। देवी उनको अपनी ओर इस तरह निहारते हुये देखकर अत्यन्त क्रोधित हो गई। देवी की कोप दृष्टि से कुबेर अत्यन्त भयभीत हो गये। उसी समय भयभीत कुबेर ने लोभासुर को उत्पन्न किया। वह अत्यन्त प्रतापी तथा बलवान था।

भारत में तोरई की सब्जी तो लगभग सभी घरों में बनती है, जिसका सेवन स्वाद के साथ ही साथ सेहत से भी जुड़ा हुआ है। तोरई पचने में आसान होती है और गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडक भी देती है। लेकिन इसके कई ऐसे अनगिनत फायदे हैं जिसके बारे में जानकर शायद आप भी हैरान हो जाए कि ये आम सी दिखने वाली तोरई हमारे स्वास्थ्य के इतना फायदेमंद है।

दरअसल तोरई का वैज्ञानिक नाम लुफा एक्युटंगुला है। अमेरिकी नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक तोरई का पौधा मुख्य रूप से भारत, चीन, जापान, मिस्र और अफ्रीका के कई हिस्सों में पाया जाता है। यह पौधा भारतीय देसी इलाज में कई तरह की बीमारियों के लिए काम आता है, जैसे पीलिया, शुगर (डायबिटीज), बवासीर, दस्त, सिरदर्द, दाद और कुष्ठ जैसी पुरानी रिकन की बीमारियों में भी इसका यूज किया जाता है।

इसमें नेचुरल पेप्टाइड्स पाया जाता है जो हमारी बॉडी में इंसुलिन की तरह काम करता है, इसलिए यह डायबिटीज के मरीजों के लिए भी फायदेमंद होती है। इसका सब्जी के रूप में नियमित सेवन करना



सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। चरक संहिता में तोरई को ऐसी सब्जी बताया गया है जो खाना पचाने में मदद करती है और खून को साफ करने का काम करती है। इसे पाचन के लिए फायदेमंद माना गया है और कहा गया है कि ये कब्ज, गैस और अपच जैसी पेट की दिक्कतों को दूर करने में भी मदद करती है। इस सब्जी को खाने से हमारी बॉडी ठंडी रहती है। साथ ही इसमें पानी काफी ज्यादा मात्रा में पाया जाता है, जो शरीर में तापमान को कंट्रोल करने में मदद करता है और हमें डिहाइड्रेशन से भी बचाता है। वहीं, इसमें कुछ ऐसे प्राकृतिक गुण होते हैं जो दिमाग को शांत रखने और

मानसिक सेहत को ठीक रखने में मदद करते हैं। इसे खाने से त्वचा साफ और सेहतमंद रहती है। पुराने देसी इलाजों में तोरई का इस्तेमाल त्वचा की समस्याओं और बालों की देखभाल के लिए भी किया जाता है। इतना ही नहीं आज भी गांवों के कई लोग इसे लूफा के रूप में यूज करते हैं। दरअसल, जब बेल पर तोरई सूख जाती है, तो उसका छिलका हटाकर, अंदर के रेशों को लूफा की तरह यूज किया जाता है। यह प्लास्टिक वाले लूफा की जगह एक नेचुरल और पर्यावरण के लिए सही विकल्प है, क्योंकि ये आसानी से सड़-गलकर मिट्टी में मिल जाता है यानी बायोडिग्रेडेबल होता है।

wisom360™
Cultivating Success

(AN IIT/IIM ALUMNI INITIATIVE)

Class V to XII
(CBSE & ICSE)

70072-79710

1/46 Rashmi Khand Sharda Nagar 226002.

मेड-इन-इंडिया कारों का जापान में जलवा, मारुति सुजुकी ने रचा नया रिकॉर्ड



मारुति सुजुकी इंडिया ने बताया कि उसने भारत में बनी जिम्नी 5-डोर, फ्रॉक्स और ई विटारा की एक लाख इकाइयों का जापान में निर्यात करने की उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है कि जापान दुनिया के सबसे प्रतिस्पर्धी और उन्नत वाहन बाजारों में से एक है। मारुति सुजुकी ने जापान में फ्रॉक्स का निर्यात अगस्त 2024 में शुरू किया था। दिसंबर 2024 में जिम्नी 5-डोर का निर्यात शुरू हुआ। कंपनी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई विटारा का निर्यात सितंबर 2025 में शुरू हुआ था। जिम्नी 5-डोर और ई विटारा का निर्माण सिर्फ भारत में ही होता है।

जापान वित्त वर्ष 2025-26 संख्या के हिसाब से मारुति सुजुकी का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक बाजार बन गया और मौजूद वित्त वर्ष में अब तक बना हुआ है। साथ ही सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन पिछले वित्त वर्ष में जापान की सबसे बड़ी वाहन आयातक कंपनी बन गई है। इसमें लगभग शत-प्रतिशत वाहन मारुति सुजुकी के बनाए हुए हैं। मारुति सुजुकी इंडिया जापानी कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन की इकाई है। इसमें उसकी 58.65 प्रतिशत हिस्सेदारी है। शेष सार्वजनिक हिस्सेदारी है।

मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिसाशी ताकेउची ने कहा, "जापान को जिम्नी 5-डोर, फ्रॉक्स और ई-विटारा की एक

लाख से अधिक इकाई का निर्यात करना देश की विनिर्माण क्षमता का एक बड़ा सबूत है। यह उपलब्धि भारत-जापान साझेदारी के शानदार विकास को भी दिखाता है। सुजुकी का भारत में वाहन बनाने का जो विजन था, वह अब एक मुकाम पर पहुंच गया है, क्योंकि 'मेड-इन-इंडिया' गाड़ियों को जापानी ग्राहकों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इस सफलता की वजह से जापान मारुति सुजुकी के निर्यात के लिए दूसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है।"

किफायती दाम में सीएनजी के साथ आई किआ की सात-सीटर एमपीवी



किआ ने भारत में अपनी दो सात-सीटर एमपीवी कैरेंस और कैरेंस क्लैविस के फ़ैक्ट्री-फिटिड सीएनजी वेरिएंट लॉन्च कर दिए हैं। इनकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 12.12 लाख रुपये और 12.39 लाख रुपये है। कंपनी ने इन सीएनजी मॉडल को सोरेन्टो के भारत लॉन्च के साथ पेश किया है। इन दोनों मॉडल के सीएनजी वेरिएंट के साथ किआ ने अपने पावरट्रेन पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। इनका फोकस ऐसे खरीदारों पर है, जो 7-सीटर एमपीवी में कम रनिंग कॉस्ट चाहते

सेमीकॉन 2.0 के तहत चिप डिजाइन पर जोर, 200 स्टार्टअप व कंपनियों को बढ़ावा देगी सरकार : वैष्णव

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार देश के सेमीकंडक्टर मिशन के अगले चरण सेमीकॉन 2.0 के तहत भारत में चिप डिजाइन करने वाले कम से कम 200 स्टार्टअप और कंपनियों को बढ़ावा देगी। सेमीकॉन इंडिया 2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए वैष्णव ने कहा कि चिप डिजाइन सेमीकॉन 2.0 के छह स्तंभों में पहला होगा। उन्होंने बताया कि मिशन के पिछले चरण में 105 से अधिक स्टार्टअप ने चिप डिजाइन के क्षेत्र में प्रयास किया था, जिनमें से करीब 20 को लगभग 800 करोड़ रुपये की उद्यम पूंजी मिली थी।

उन्होंने कहा, वह महज शुरुआत थी। इस बार हमारा



लक्ष्य बहुत बड़ा है। हम सेमीकंडक्टर की जरूरतों के पूरे दायरे में भारत में चिप डिजाइन करने वाले कम से कम 200 स्टार्टअप और कंपनियों को लक्ष्य बनाएंगे। मंत्री ने कहा कि देश ने पिछले कुछ वर्षों में सेमीकॉन 1.0 के जरिये घरेलू सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए बुनियादी आधार तैयार किया है। यह एक योजनाबद्ध कार्यक्रम था, जिसका मकसद प्रतिभाओं को बढ़ावा देना और परिवेश तैयार करना था।

वैष्णव ने कहा, अब हमें इस नींव पर इमारत खड़ी करनी है।

उन्होंने मिशन के अगले चरण की रूपरेखा बताते हुए कहा कि इसके छह स्तंभ चिप डिजाइन, मशीन व सामग्री, चिप विनिर्माण संयंत्र, उन्नत पैकेजिंग, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रतिभा हैं। सम्मेलन में 28 से अधिक देशों की भागीदारी है। कार्यक्रम की शुरुआत के पांच साल पहले प्रधानमंत्री से मिली सीख को याद करते हुए वैष्णव ने कहा, 'शुनिकट अवधि के बारे में मत सोचो, दीर्घकाल के बारे में सोचो। केवल विनिर्माण संयंत्र (फैब) के बारे में मत सोचो, पूरे परिवेश के बारे में सोचो।' उन्होंने कहा कि यही सोच मिशन की रूपरेखा को लगातार दिशा देती रही है।

सेमीकॉन 2.0 के तहत सरकार भारत में आने वाले सेमीकंडक्टर कारखानों में सीधे रोजगार के लिए एक लाख कुशल तकनीशियन, क्लिनरूम कर्मचारियों और कारखाने के उत्पादन क्षेत्र के कर्मचारियों को तैयार करने का अतिरिक्त लक्ष्य रखेगी।

रॉयल एनफील्ड फ्लाइंग फ्ली सी6 नए पैराशूट व्हाइट रंग में पेश



स्टॉर्म ब्लैक के साथ जुड़ गया है। जिससे अब ग्राहकों को तीन आकर्षक कलर विकल्प मिलेंगे।

यह केवल एक लुक से जुड़ा बदलाव है। नया पैराशूट व्हाइट शोड डुअल-टोन फिनिश के साथ आता है, जिसमें व्हाइट बॉडी

रॉयल एनफील्ड के समर्पित इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ब्रांड फ्लाइंग फ्ली ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल 6 के लिए एक नया रंग श्पैराशूट व्हाइट पेश किया है। यह नया कलर ऑप्शन पहले से मौजूद फ्ली ग्रीन और

पैनल्स के साथ ब्लैक एलिमेंट्स और सीट व हैंडलबार ग्रिप्स पर नीले रंग के एक्सेंट दिए गए हैं। कंपनी ने इसके मैकेनिकल कंपोनेंट्स, बैटरी पैक या पावरट्रेन में कोई बदलाव नहीं किया है।

लेवल-2 एडीएस के साथ अपडेट हुई बलेनो, क्या टाटा अल्ट्रोज के सनरूफ व सुरक्षा फीचर्स पर पड़ेगी भारी

लंबे समय के बाद मारुति बलेनो के डिजाइन और फीचर्स को अपग्रेड किया गया है। इसमें अब कंपनी ने 1.2-लीटर जेड-सीरीज पेट्रोल इंजन भी दिया गया है। इन बदलावों के बाद बलेनो एक बार फिर प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में टाटा अल्ट्रोज को टक्कर देती नजर आती है। वहीं, अल्ट्रोज को 2025 में मिड-लाइफ अपडेट मिल चुका है। दोनों कारों का मुकाबला सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी और कॉम्पैक्ट सेडान की लंबी रेंज से भी होता है। ऐसे में सवाल है कि दोनों कारें एक-दूसरे के सामने कैसी हैं? आइए जानते हैं।

फीचर्स की बात करें तो दोनों ही कारों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलता है। खासतौर पर टॉप-स्पेक मॉडल्स में दोनों कंपनियों ने कई आधुनिक फीचर्स



दिए हैं। टाटा अल्ट्रोज के पक्ष में ड्युअल डिजिटल स्क्रीन, वायरलेस चार्जर, 360-डिग्री कैमरा, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी, सनरूफ, ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटर, रियर एसी वेंट्स, बटन स्टार्ट और एम्बिएंट लाइटिंग जैसे फीचर्स मिलते हैं।

वहीं, मारुति बलेनो में अब 360-डिग्री कैमरा पैकेज, एसयूडी, टीपीएमसी, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी और वेंटिलेटेड फ्रंट

सीट्स जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा बलेनो में सेगमेंट में पहली बार लेवल 2 एडीएस भी दिया गया है। हालांकि, बलेनो में ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटर और रियर क्रॉस-ट्रैफिक अलर्ट नहीं मिलता है। इस तरह दोनों कारों की बेसिक फीचर लिस्ट काफी मजबूत है, लेकिन टॉप वेरिएंट तक जाने पर दोनों अपनी-अपनी अलग खूबियों के साथ सामने आती हैं।

www.RashiSanyog.com

आपकी रूख कुण्डली में बैठे ज्योतिषी आपको अपनी शान्ति हेतु एवं सुखमय व आनन्दमय जीवन का पथ देने के लिये नईयें आपके साथ हैं "ज्योतिषाचार्य एस० सी० गुप्ता"

Get Appointment with Astrologer **S. C. Gupta**

Mail to: Rashisanyog@gmail.com | Like us on: Facebook.com/rashisanyog Follow us: Twitter.com/rashisanyog

MY SPORT CART
LIVE . PLAY . WIN

ONLINE SHOPPING
Customer Care:
+91-9654477772
(10am - 8pm)
www.mysportcart.com

सीरीज से पहले टीम को लगा करारा झटका, प्रमोशनल शूट में प्लेयर का कंधा डिस्लोकेट



भारतीय क्रिकेट टीम इस वक्त एशियन गेम्स में खेलने की तैयारी कर रही है। जल्द ही जापान से एक टी20 इंटरनेशनल मैच खेला जाएगा, इसके बाद टीम इंडिया एशियन गेम्स में अपने मिशन की शुरुआत करेगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच भी वनडे और टी20 सीरीज खेली जानी है। इसके बाद भारतीय टीम लंबी सीरीज के लिए न्यूजीलैंड जाएगी। इसके लिए भारतीय टीम का ऐलान तो अभी तक नहीं हुआ, लेकिन न्यूजीलैंड के लिए मुश्किलें खड़ी होती नजर आ रही हैं। पता चला है कि न्यूजीलैंड के युवा और स्टार ऑलराउंडर रचिन रवींद्र का कंधा डिस्लोकेट हो गया है। इससे उनके भारत के खिलाफ खेलने को लेकर सस्पेंस बन गया है। भारत और

न्यूजीलैंड के बीच टी20, वनडे और टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। सीरीज का आगाज 22 अक्टूबर से होगा। इसमें अब करीब एक ही महीने का वक्त बचा हुआ है। इस बीच पता चला है कि रचिन रवींद्र एक प्रमोशनल शूट के दौरान चोटिल हो गए हैं। न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में प्रमोशनल शूट चल रहा था, इसी दौरान वे एक झाड़विंग कैच लेने गए, लेकिन इसी दौरान उनका कंधा खिसक गया। इस बीच अभी ये पता नहीं चल पाया है कि वे कितने समय तक क्रिकेट के मैदान से दूर रहेंगे। लेकिन एक महीने के भीतर वे पूरी तरह से फिट हो जाएंगे, इसकी संभावना काफी कम है। भारतीय टीम तो इस एक महीने के दौरान लगातार क्रिकेट खेलेगी, लेकिन न्यूजीलैंड की टीम

सीधे अक्टूबर में ही मैदान में उतरेगी।

रचिन रवींद्र का जब कंधा डिस्लोकेट हो गया तो उन्हें मेडिकल स्पेशलिस्ट के पास ले जाया गया, जहां उनकी जांच की जा रही है। इस बीच अभी तक न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की ओर से भारत के खिलाफ सीरीज के लिए टीम का ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन जल्द ही टीम सामने आ जाएगी, इसमें रचिन रवींद्र का नाम होना काफी मुश्किल नजर आ रहा है।

खास बात ये भी है कि रचिन रवींद्र न्यूजीलैंड के लिए तीनों फॉर्मेट खेलते हैं। उन्होंने अब तक 24 टेस्ट मैच खेलकर 1865 रन बनाए हैं, वहीं वनडे में उन्होंने अब तक 39 मैच खेलकर 1424 रन बनाने में कायमाबी हासिल की है। रवींद्र ने 52 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलकर 759 रन बनाए हैं। भारत के खिलाफ अब तक पांच टेस्ट मैच खेलकर रवींद्र ने 309 रन बनाए हैं, इसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वनडे में उन्होंने भारत के खिलाफ चार मैच खेलकर 131 रन बनाए हैं। सात टी20 इंटरनेशनल मैच भारत के खिलाफ खेलकर रवींद्र 89 रन बनाने में ही कायमाब हुए हैं।

पाकिस्तान के क्रिकेटर मोहम्मद रिजवान को लाहौर हाईकोर्ट से झटका, खारिज की याचिका

लाहौर हाईकोर्ट ने पाकिस्तान के क्रिकेटर मोहम्मद रिजवान की याचिका खारिज कर दी। रिजवान ने नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के नोटिस को चुनौती दी थी।

अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड मोहम्मद रिजवान और इमाम-उल-हक पर कार्रवाई का फैसला एनसीसीआईए की जांच रिपोर्ट के बाद करेगा। एनसीसीआईए दोनों खिलाड़ियों से लिए गए मोबाइल फोन की फोरेंसिक जांच कर रही है। एजेंसी



अगले हफ्ते अपनी रिपोर्ट पीसीबी को सौंप सकती है। पाकिस्तान

बोर्ड ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पहले कुछ खिलाड़ियों के फोन कस्टडी में लिए थे।

हालांकि फोन के कस्टडी में लेने का कारण नहीं बताया गया है। लाहौर हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश आलिया नीलम ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद रिजवान की याचिका खारिज की। मुख्य न्यायाधीश ने रिजवान को नोटिस का जवाब देने की सलाह दी। मुख्य न्यायाधीश नीलम ने कहा, आप जाइए और नोटिस का जवाब दीजिए।

पार्थिव-प्रज्ञान ओझा चीफ सिलेक्टर पद के दावेदार

बीसीसीआई के चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर का कार्यकाल इसी महीने खत्म हो रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें कार्यकाल में एक्सटेंशन मिलने की संभावना कम है। अगरकर की जगह



पूर्व भारतीय क्रिकेटर पार्थिव पटेल और प्रज्ञान ओझा पद के दावेदार हैं। बीसीसीआई की एनुअल जनरल मीटिंग शुक्रवार को होनी है। अगरकर बुधवार को हुई चयन बैठक की अध्यक्षता कर चुके हैं। ऐसे में यह बैठक बतौर चीफ सिलेक्टर उनकी आखिरी बैठक हो सकती है। अगरकर की अध्यक्षता वाली सिलेक्शन कमेटी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज और ईरानी ट्राफी के लिए टीमों का ऐलान किया।

अगरकर के कार्यकाल में भारत

ने जीते तीन खिताब पूर्व तेज गेंदबाज अगरकर को जुलाई, 2023 में टीम इंडिया की सिलेक्शन कमेटी का चेयरमैन बनाया गया था। अगरकर के कार्यकाल में टीम इंडिया 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप और पिछले साल की शुरुआत में चौपियंस ट्रॉफी जीती थी। इसके अलावा, टीम इंडिया 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भी पहुंची थी। जहां उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार मिली थी। इसके अलावा टीम ने इस साल टी-20 वर्ल्ड कप खिताब भी डिफेंड किया।

BHATIA BAKERY
Freshly Baked, Lovingly Made

OUR BRANCHES

- TELIBAGH | Main Market
- AKASH ELDECO | Bharat Petrol Pump
- VRINDAVAN | Sector-16

OUR SPECIALITIES

- New year Cakes
- Christmas Cakes
- Customised Cakes
- Chocolates Cakes
- Gift Hampers

Made with the Finest Ingredients

Contact Us: 9889731634

YOGA FOR EVERY BODY
HEALTH • HARMONY • HAPPINESS

Self Healing Centre

BREATHE STRETCH TRANSFORM

REGULAR YOGA CLASSES	₹1000/- PER MONTH	5:30 am to 6:30 am 6:30 am to 7:30 am 11:00 am to 12:00 pm 6:00 pm to 7:00 pm
LIFESTYLE DISEASES YOGA	₹1200/- PER MONTH	5:30 am to 6:30 am 6:30 am to 7:30 am 11:00 am to 12:00 pm 6:00 pm to 7:00 pm
SPECIAL YOGA SESSION	₹5000/- PER MONTH (ONE TO ONE)	ONE TO ONE PERSONAL ATTENTION
PREGNANCY YOGA CLASSES	₹1500/- PER MONTH	12:00 pm to 12:45 pm

CLASSES WILL BE TAKEN THROUGH **GOOGLE MEET** IN HINDI LANGUAGE. (MONDAY TO FRIDAY)

BENEFITS OF YOGA

- IMPROVES FLEXIBILITY
- REDUCES STRESS & ANXIETY
- BOOSTS IMMUNITY
- BETTER SLEEP & FOCUS
- SUPPORTS OVERALL WELL-BEING

CONTACT US 9532972266* | Small Steps Today, Stronger You Tomorrow.

mail:info@tvindialive.com
tvindialive.til@gmail.com

Largest social media news network

TV INDIA Live

www.tvindialive.in
www.facebook.com/tvindialive
www.facebook.com/tillucknowexpress

गौरव खन्ना और आकांक्षा चमोला एक ही फ्रेम में आए नजर रोहित शेट्टी की गोलमाल-5 अगले साल



गौरव खन्ना और आकांक्षा चमोला के बिगड़े हुए रिश्ते की चर्चा काफी समय से हो रही है। हाल ही में एक नया वीडियो वायरल हुआ है, जिसने उनके रिश्ते पर फिर से लोगों का ध्यान खींचा है। गौरव और आकांक्षा हाल ही में एकता कपूर के घर पर एक ही इवेंट में दिखे, जहां वे एक ही फ्रेम में नजर आए। हालांकि, सोशल मीडिया यूजर्स ने तुरंत गौर किया कि उन्होंने एक-दूसरे से बातचीत करने की कोई कोशिश नहीं की।

वायरल भयानी का शेयर किया गया एक वीडियो इंटरनेट पर खूब देखा जा रहा है, जिसमें गौरव खन्ना और आकांक्षा चमोला एक ही इवेंट में शामिल होते दिखे।

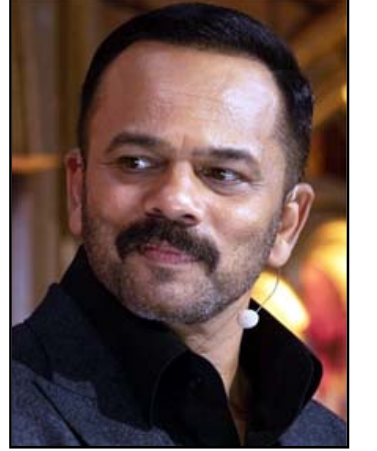
क्लिप में दोनों एक्टर्स मेहमानों की भीड़ में एक-दूसरे से बस कुछ ही फीट की दूरी पर खड़े दिखे। हालांकि, एक ही इवेंट में होने के बावजूद उन्होंने कैमरे पर एक-दूसरे से कोई बातचीत नहीं की या एक-दूसरे को देखा तक नहीं। यह छोटा सा पल इंटरनेट पर नई अटकलें शुरू करने के लिए काफी था। कई फैंस ने देखा कि कपल एक ही फ्रेम में तो था, लेकिन अलग-अलग बातचीत में व्यस्त लग रहा था। इसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। गौर करने वाली बात है कि यह कपल अक्सर पब्लिक इवेंट्स और सोशल मीडिया पर साथ नजर आता था, लेकिन हाल ही में सोशल मीडिया पर उनकी जो झलक दिखी। वह कुछ अलग थी। हालांकि, गौरव या आकांक्षा में से किसी ने भी इस वायरल क्लिप पर कोई कमेंट नहीं किया है, लेकिन फैंस को यह थोड़ा अजीब लगा। कुछ लोगों का यह भी मानना छह कि हो सकता है कि वे किसी पब्लिक गैदरिंग के दौरान बस थोड़ी दूरी

बनाए हुए हों। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कपल के बीच साफ दिख रही दूरी की ओर इशारा किया। एक व्यक्ति ने कमेंट किया, शहर किसी की अपनी निजी वजहें होती हैं। सभी को अपनी-अपनी जगह खुश रहना चाहिए। एक और यूजर ने लिखा, शबहुत दुखद है। यार पता नहीं, गौरव के लिए बुरा लग रहा है। हो सकता है वह गलत हो, लेकिन हमें पता नहीं है।

कपल का यह वायरल वीडियो तब सामने आया है, जब कुछ हफ्ते पहले ही आकांक्षा ने सबके सामने बताया था कि वह और गौरव अलग हो चुके हैं। श्लोक अपरू सच या सजाइ सीजन 2 में हिस्सा लेने के दौरान उन्होंने खुलासा किया था कि वे एक साल से ज्यादा समय से अलग-अलग रह रहे थे। असल में वे अपनी शादी खत्म करने की प्रक्रिया में थे। आकांक्षा ने बताया कि उनकी शादी टूटने की एक बड़ी वजह माता-पिता बनने को लेकर उनकी अलग-अलग सोच थी। उनके मुताबिक उन्हें बच्चे पैदा करने की कोई इच्छा नहीं थी। वहीं समय के साथ गौरव की सोच बदल गई और वह पिता बनना चाहते थे।

रोहित शेट्टी की हमेशा ही अपनी फिल्मों में कुछ अलग ट्राई करते हैं। साल 2006 में वो एक कॉमेडी फिल्म लेकर आए गोलमाल फन अनलिमिटेड। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ६ माल मचा दिया। जिसके बाद इस फिल्म के एक के बाद एक अब तक लगभग 4 पार्ट्स आ चुके हैं। मजेदार और कॉमेडी से भरी इस फिल्म के 5 वें पार्ट का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। अब ये इंतजार खत्म हो गया है, क्योंकि गोलमाल 5 की रिलीज डेट को अनाउंस कर दिया गया है। तुषार कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया जिसमें फिल्म की रिलीज डेट दी गई। फिल्म 8 जनवरी 2027 को थिएटर में रिलीज की जाएगी। रोहित शेट्टी की फिल्म गोलमाल का पहला पार्ट साल 2006 में गोलमाल फन अनलिमिटेड आई थी। इस फिल्म का बजट 15 करोड़ था, इसने बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 41.46 करोड़ था।

इस सीरीज की दूसरी फिल्म गोलमाल रिटर्न्स साल 2008 में रिलीज हुई थी। फिल्म का बजट 35 करोड़ था, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने 80 करोड़ की कमाई



की थी। सीरीज की तीसरी फिल्म गोलमाल 3 साल 2010 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म का बजट 50 करोड़ था और बॉक्स ऑफिस पर इसने 169.5 करोड़ की कमाई की। ये फिल्म इस साल की दूसरी सबसे बड़ी कमाई करने वाली हिंदी फिल्म भी बनी। सीरीज की चौथी फिल्म गोलमाल अगेन साल 2017 में रिलीज हुई थी, इसका बजट 80 करोड़ था और बॉक्स ऑफिस पर इसने 311 करोड़ की कमाई की थी। एक के बाद एक सुपरहिट फिल्म देने वाले रोहित शेट्टी अब इस सीरीज की 5 वीं फिल्म लेकर आ रहे हैं। इसमें अक्षय कुमार भी नजर आने वाले हैं।

तुम मेरे हो में पहली बार साथ नजर आएंगे गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय

पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल हुए अलग, 6 महीने पहले ही हुई थी सगाई



भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ और उनकी मंगेतर आकृति अग्रवाल अलग हो गए हैं। आकृति ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों के फ्यूचर गोल्स और मौजूदा परिस्थितियां अलग हैं। इसी वजह से दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है।

आकृति ने अपने पोस्ट में कहा कि एक-दूसरे के लिए प्यार और परवाह होने के बावजूद दोनों ने यह महसूस किया कि उनकी राहें एक साथ नहीं हैं। उन्होंने लोगों से दोनों के फैसले को समझने और उनकी प्राइवसी का सम्मान करने की अपील की।

आकृति ने यह भी कहा कि इस फैसले को लेकर किसी तरह

की अटकलें न लगाई जाएं। उन्होंने लोगों से उनकी प्राइवसी का सम्मान करने के लिए धन्यवाद भी कहा।

जुलाई 2026 के पहले हफ्ते में आकृति अग्रवाल ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था कि उन्हें कई बार धोखा मिला है और हर अफवाह सच है। इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों के रिश्ते को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जाने लगे। फोटो और चित्र-साझाकरण

उस दौरान दोनों के एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो करने के दावे भी सामने आए थे। हालांकि, बाद में आकृति ने साफ किया था कि उनकी वह पोस्ट पृथ्वी शॉ से जुड़ी हुई नहीं थी। रिपोर्ट्स में यह भी सामने आया

था कि दोनों सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को फॉलो कर रहे थे। इसके अलावा दोनों की सगाई की तस्वीरें भी सोशल मीडिया से डिलीट नहीं की गई थीं।

पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल ने इसी साल 8 मार्च 2026 को सगाई की थी। पृथ्वी ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करके अपने रिश्ते का ऐलान किया था। सगाई के करीब छह महीने बाद अब दोनों ने अलग होने का फैसला किया है। आकृति के बयान के मुताबिक, यह फैसला दोनों ने आपसी सहमति से लिया है और उन्होंने लोगों से इस मामले में किसी तरह की अटकलें न लगाने की अपील की है।

रश्मि देसाई करने जा रहीं 8 साल बाद वापसी



से ही कमबैक करने का फैसला क्यों लिया? रश्मि देसाई ने बताया कि 8 साल में उन्होंने कई ऑफर्स मिले, लेकिन उन्होंने ठुकरा दिया। उन्होंने कहा, क्योंकि वह ऐसे किरदार और कहानी का इंतजार कर रही थीं, जिससे वह दिल से जुड़ सकें।



गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय पहली बार फिल्म तुम मेरे हो में साथ नजर आएंगे। आशीष पांडा निर्देशित यह फिल्म प्रेम, एक्शन और रोमांच से भरपूर होगी। फिल्म 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माताओं ने इसके पहले

पोस्टर जारी किए हैं, जिनमें गुरमीत और ईशा के किरदारों के बीच गहरे रिश्ते की झलक देखने को मिलती है। यह फिल्म ईशा मालवीय की बॉलीवुड में पहली फिल्म है। निर्देशक आशीष पांडा ने कहा कि फिल्म में प्यार के साथ उन भावनाओं और चुनौतियों को भी दिखाया गया है, जो रिश्ते की परीक्षा लेती हैं। उन्होंने कहा कि गुरमीत ने किरदार की गहराई और दृढ़ता को प्रभावी ढंग से निभाया है, जबकि ईशा ने भावनात्मक गहराई के साथ किरदार की मजबूती को भी बखूबी पेश किया है।

प्रधान संपादक
रुचिर सिंह सिसौदिया
स्थानीय संपादक
सुधीर निगम

कार्पोरेट कार्यालय—
सेक्टर-सी0-1, सी0-25,
एल0डी0ए0 कालोनी,
कानपुर रोड, लखनऊ
उ0प्र0-226012
टी.आई.एल. एक्सप्रेस
स्वामी एवं प्रकाशक रुचिर
सिंह सिसौदिया द्वारा न्यू
अनुग्राफिक्स, पार्क रोड
लखनऊ से मुद्रित एवं 279
कटरा बांदा से प्रकाशित
फोन नं0-0522-4010844

Mail us-
tvindialive.til@gmail.com
Log on- tvindialive.in,
tvindialive.com,
www.facebook.com/
tvindialive/
https://www.youtube.com/tvindialivedigi

